बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 161, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुयये

प्रयागराज बुधवार 04 सितम्बर, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

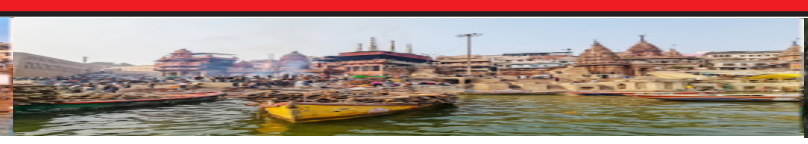

पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह समेत दो के खिलाफ चार्जशीट, लोकसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। पूर्व सांसद प्रयागराज लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह के पिता

हैं। वह शनिवार शाम चार बजे के करीब अचानक करेली के 60 फीट रोड पर स्थित राजस्व प्रशिक्षण मतदान केंद्र के पास पहुंच गए। उनके पहुंचते ही वहां समर्थकों की भीड़ जुट गई। करेली में शनिवार को गठबंधन प्रत्याशी के पिता व पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के मतदान केंद्र के बाहर पहुंचने पर हंगामा हो गया। सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, आचार संहिता उल्लंघन के साथ चुनाव प्रभावित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर उन्हें मय चालक हिरासत में ले लिया गया। फिर आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मामले में चालक व 50 अज्ञात समर्थकों को भी आरोपी बनाया गया है। उधर, पूर्व सांसद ने पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाया पूर्व सांसद प्रयागराज लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह के पिता हैं। वह शनिवार शाम चार बजे के करीब अचानक करेली के 60 फीट रोड पर स्थित राजस्व प्रशिक्षण मतदान केंद्र के पास पहुंच गए। उनके पहुंचते ही वहां समर्थकों की भीड़ जुट गई। जानकारी पर पहुंचे एसीपी करेली पुष्कर वर्मा से उनकी नोकझोंक भी हुई। इसके बाद उन्हें थाने में लाकर मुकदमा पंजीकृत किया गया। बाद में प्रत्याशी उज्ज्वल रमण के पहुंचने पर उन्हें आवश्यक कार्रवाई के बाद छोड़ दिया गया। उधर, सपा प्रदेश कार्यालय लखनऊ में निर्वाचन कार्य देख रहे केके श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने घटना के संबंध में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से बात की है। रिपोर्ट करेली थाने के दरोगा मनीष कुमार राय की तहरीर पर दर्ज की गई। इसमें बताया कि मतदान के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि रेवती रमण सिंह वाहन में गनर के साथ आकर मतदान केंद्र लेखपाल प्रशिक्षण केंद्र के सामने रुके हैं। समर्थकों को अपने प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मौके पर पहुंचने पर देखा कि वहां काफी भीड़ लगी थी। रेवती रमण फॉर्च्यूनर कार में चालक चंद्रशेखर व दो गनर संग बैठे थे वाहन पास मांगने पर चालक ने जिला निर्वाचन, प्रयागराज का सात मई को निर्गत वाहन पास दिखाया जिसमें 23 मई 2024 की शाम पांच बजे तक अनुमति अंकित है। निर्देश के विपरीत पास वाहन के शीशे पर भी चस्पा नहीं था।

मनी लांड्रिंग केस में माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन की प्रापर्टी को अब अटैच किया जाएगा।

इसको लेकर प्रवर्तन निदेशालय ईडी की टीम छानबीन में जुट गई है। पुलिस की ओर से कुर्क संपत्तियों की जानकारी ली जा रही है और अतीक व उसके परिवार के सदस्यों के नाम की चल-अचल प्रापर्टी को चिह्नित भी किया जा रहा है प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन की प्रॉपर्टी को अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अटैच करेगा। ईडी की टीम छानबीन में जुट गई है और पुलिस की ओर से कुर्क संपत्तियों की जानकारी ली जा रही है। अतीक अहमद और उसके परिवार के सदस्यों के नाम की चल-अचल संपत्ति को चिह्नित किया जा रहा है। हालांकि मनी लांड्रिंग केस में ईडी द्वारा अभी तक आठ करोड़ से अधिक की प्रापर्टी को जब्त किया गया है। अतीक व शाइस्ता के बैंक खातों में जमा पैसे सरकारी खजाने में जमा करवाया गया है। प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रही 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन की प्रॉपर्टी को अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अटैच करेगा। ईडी की टीम छानबीन में जुट गई है और पुलिस की ओर से कुर्क संपत्तियों की जानकारी ली जा रही है। अतीक अहमद और उसके परिवार के सदस्यों के नाम की चल-अचल संपत्ति को चिह्नित किया जा रहा है।

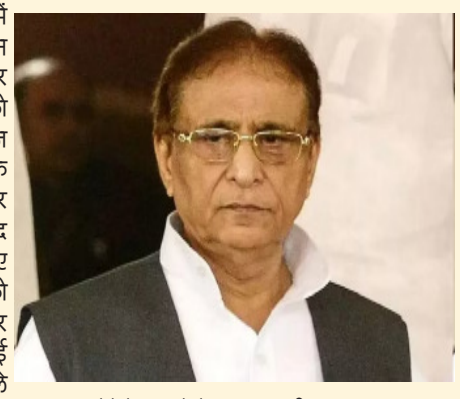

सफाई मशीन चोरी मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित, सपा नेता आजम खां पर दर्ज है केस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय में सफाई मशीन बरामद होने के मामले में फंसे सूबे के पूर्व कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ सपा नेता आजम खां के मुकदमे की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। हाईकोर्ट के जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा है। अब इस मामले में कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद

होने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। गुरुवार को यह मामला हाईकोर्ट की लिस्टिंग में आ गया। ऐसे में केस की सुनवाई हो सकती है। जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की मशीन मिलने का मामला जौहर यूनिवर्सिटी में नगर पालिका की सफाई की मशीन बरामद होने के मामले में रामपुर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। रामपुर कोर्ट के फैसले को आजम खान और अब्दुल्ला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए जमानत याचिका दाखिल की है। सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के करीबी सालिम और अनवार की निशानदेही पर रामपुर पुलिस ने 19 सितंबर 2022 को जौहर यूनिवर्सिटी से नगर पालिका की रोड क्लीनर मशीन और उसके कटे हुए पार्ट्स बरामद किए थे।

एसटीएफ की गिरफ्त में आए एक-एक लाख के इनामी बदमाश अब्दुल मजीद और सुहेल, रच रहे थे साजिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज।करीब 15 महीने से फरारी काटने वाले एक-एक लाख के इनामी अब्दुल मजीद और सुहेल

बड़ी साजिश रच रहे थे। वह वादी मुकदमा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान से प्रतापगढ़ पहुंचे थे। तभी एसटीएफ ने प्रतापगढ़ के हरिहरपुर सिंधौर, लीलापुर निवासी पिता-पुत्र को दबोच लिया। दोनों ने पूछताछ में साजिश का राजफाश करते हुए बताया कि वह अलग-अलग राज्य में रहकर ट्रक चलाते थे। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह ने बताया कि हरिहरपुर गांव में ट्रैक्टर से खेत की जुताई को लेकर रज्जाक की गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पीडि.त पक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद आरोपित घर छोड़कर फरार हो गए। तब प्रतापगढ़ पुलिस ने दोनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। हरिहरपुर गांव में ट्रैक्टर से खेत की जुताई को लेकर रज्जाक की गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना के बाद पीडि.त पक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद आरोपित घर छोड़कर फरार हो गए। तब प्रतापगढ़ पुलिस ने दोनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। करीब 15 महीने से फरारी काट रहे दोनों को घेराबंदी कर दबोच लिया गया।

अखिलेश-ओवैसी के खिलाफ लंबित पुनरीक्षण याचिका पर बहस पूरी,आदेश 17 सितंबर को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। ज्ञानवापी को लेकर किए गए बयानबाजी और वुजुखाने में गंदगी करने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव व प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और अन्य के खिलाफ अपर जिला जज (नवम) विनोद कुमार की अदालत में लंबित पुनरीक्षण याचिका पर मंगलवार को बहस पूरी हो गई।याचिकाकर्ता हरिशंकर पांडेय की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रवि प्रकाश शुक्ला ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और असुद्दीन ओवैसी का बयान हेट स्पीच की श्रेणी में आता है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने तर्क के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की नजीरों का जिक्र किया।

नए अध्यक्ष के आते ही दो साल से लंबित भर्तियों को मिलेगी रफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। अभ्यर्थियों का मानना है कि गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रो. कीर्ति पांडेय खुद शिक्षा जगत से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में वह शिक्षा विभाग में भतिऱ्यों को पूरी गंभीरता से लेंगी और नियुक्ति के बाद जल्द ही लंबित भर्ती परीक्षाओं की तिथियां घोषित करेंगी। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को पहला स्थायी अध्यक्ष मिलने के बाद दो साल से लंबित पड़ी भर्तियों को रफ्तार मिलेगी। वहीं, दो साल से उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को भी जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। अध्यक्ष की नियुक्ति न होने के कारण आयोग से जुड़े सभी नीतिगत निणऱ्य अटके हुए थे। अभ्यथिऱ्यों का मानना है कि

गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रो. कीर्ति पांडेय खुद शिक्षा जगत से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में वह शिक्षा विभाग में भर्तियों को पूरी गंभीरता से लेंगी और नियुक्ति के बाद जल्द ही लंबित भर्ती परीक्षाओं की तिथियां घोषित करेंगी। अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों और अशासकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक (टीजीटी)/प्रवक्ता (पीजीटी) के 4163 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया अगस्त-2022 में पूरी हो चुकी है। टीजीटी-पीजीटी के लिए 13.19 लाख और असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए 1.14 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन कर रखे हैं। अभ्यर्थियों ने दोनों भतिऱ्यों की परीक्षा तिथियां घोषित किए जाने की मांग को लेकर शिक्षा सेवा चयन आयोग में कई बार धरना-प्रदर्शन भी किया लेकिन आयोग में स्थायी अध्यक्ष न होने के कारण परीक्षा तिथियों पर निर्णय नहीं हो पा रहा था।

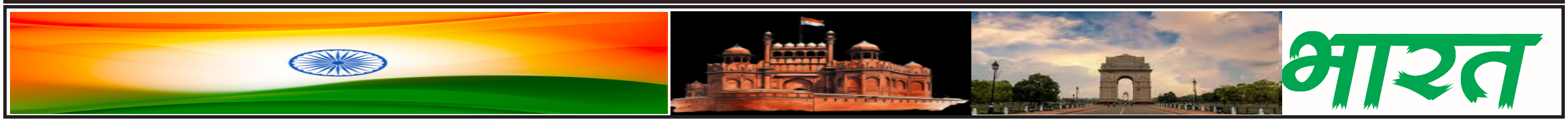

संक्षिप्त समाचार

बुलडोजर मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को राहुल ने सराहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं सुप्रीम कोर्ट संवेदनशील मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करेगा और नागरिकों को भाजपा सरकारों के इस लोकतंत्र विरोधी अभियान से बचाएगा। बुलडोजर एक्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवता और न्याय को

बुलडोजर के नीचे कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा की असांवधानिक और अन्यायपूर्ण बुलडोजर नीति पर अदालत की टिप्पणी का स्वागत है। राहुल गांधी ने कहा कि बेलगाम सत्ता का प्रतीक बन चुके बुलडोजर ने नागरिक अधिकारों को कुचलकर अहंकार के साथ लगातार कानून को चुनौती दी है। अक्सर बहुजनों और गरीबों के घर बुलडोजर के पहियों के नीचे आते हैं, जो तत्काल न्याय की आड़ में भय का शासन स्थापित करने के लिए चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं सुप्रीम कोर्ट इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करेगा और नागरिकों को भाजपा सरकारों के इस लोकतंत्र विरोधी अभियान से बचाएगा। देश सत्ता के चाबुक से नहीं, बाबा साहब के संविधान से चलेगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की थी। जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा।' याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि 'किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अडियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।'सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है

आक्रोशित डॉक्टरों का धरना जारी संदीप घोष और तीन अन्य का सीबीआई ने देर रात मेडिकल परीक्षण कराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता का आरजी कर अस्पताल कांड लगातार सुखिर्यों में है। अस्पताल में 31 साल की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म-हत्या के अलावा अब वित्तीय दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी।इससे पहले पुलिस कमिशनर के इस्तीफे की मांग कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को रैली भी निकाली। जूनियर डॉक्टर से दरिंदगी के मामले में डॉक्टरों की हड़ताल सोमवार को प्रामाणिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और पानी की बौछार भी की। इस मामले की जांच कर रही सीबीआई टीम ने

अनियमितता की जांच भी हो रही है। जानिए इससे जुड़े ताजा अपडेट कोलकाता के आरजी कर कॉलेज-अस्पताल में 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ हुई बर्बरता के विरोध में डॉक्टरों का धरना प्रदर्शन जारी है। लाल बाजार इलाके में जूनियर डॉक्टर धरना देते देखे गए। विरोध कर रहे आक्रोशित चिकित्सक मृतका के लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं। बता दें कि बीते 8-9 अगस्त की दरम्यानी रात हुई वारदात में महिला डॉक्टर की 23वें दिन भी जारी रही। जूनियर डॉक्टरों ने कोलकाता पुलिस के पुलिस कमिशनर विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग पर रैली निकाली।इससे पहले बंगाल प्रदेश भाजपा की ओर से आरजी कर मेडिकल कॉलेज की जूनियर डॉक्टर के मामले में न्याय की मांग पर सोमवार को राज्यभर में डीएम ऑफिस घेरो अभियान चलाया गया। कूचबिहार के सागरदिघी में प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ बीआर सिंह अस्पताल (पूर्वी रेलवे) में आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष और तीन अन्य का मेडिकल परीक्षण कराया। देर रात सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारियों को अस्पताल के बाहर देखा गया। बता दें कि सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष और तीन अन्य को गिरफ्तार किया है।

भाजपा सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने में नाकाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ओडिशा में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के बाद बीजेडी ने आरोप लगाया है कि जब से भाजपा की सरकार राज्य में बनी है, यहां महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं। भाजपा की डबल इंजन की सरकार अपराध

रोकने में पूरी तरह नाकाम है। ओडिशा के बालासोर में नौ साल की आदिवासी लड़की की बलात्कार के बाद हत्या के बाद बीजू जनता दल (बीजद) लगातार राज्य की भाजपा सरकार पर हमलावर है। बीजद नेता लेखाश्री सामंतसिंघर ने कहा कि जब से ओडिशा में भाजपा की सरकार बनी है महिलाओं के खिलाफ अपराध अपराध बढ़ गए हैं।सामंतसिंघर ने कहा, 'वे कह रहे हैं कि यह एक डबल इंजन सरकार है, सभी को अच्छे शासन की उम्मीद थी लेकिन जब से ओडिशा में बीजेपी सरकार बनी है, तभी से एक के बाद एक, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं।'बीजद नेता ने खोरदा और भुवनेश्वर की यौन उत्पीड़न की अन्य घटनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ठदुर्भाग्य से, 27 अगस्त को, बालासोर की एक 10 वर्षीय आदिवासी लड़की के साथ जिले में क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पीडि़त परिवार ने पुलिस से शिकायत की लेकिन पुलिस ने कोई भी कार्रवाई नहीं की"वहीं बालासोर रेप और हत्या मामले पर बीजेडी नेता प्रताप केशरी देव कहते हैं, "यह बेहद निराशाजनक और दिल दहला देने वाला प्रकरण है कि एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। बीजेपी के सत्ता में आने से राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, सांप्रदायिक आधार पर हिंसा, हत्याएं और बलात्कार के मामलों में वृद्धि हुई है।''मामले पर बीजेपी विधायक संतोष खटुआ का कहना है, 'यह एक निंदनीय अपराध है। यह घटना मेरे विधानसभा क्षेत्र के पास हुई है। यह एक जघन्य अपराध है।

आंध्र प्रदेश में बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें', चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र से किया आग्रह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आंध्र प्रदेश। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि विजयवाड़ा में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और उसके बाद आई बाढ़, उनके राजनीतिक जीवन में सबसे

बड़ी आपदा है। इसलिए वह केंद्र से आग्रह करेंगे कि आंध्र प्रदेश में बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि वह केंद्र से आग्रह करेंगे कि आंध्र प्रदेश में बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें। नायडू ने कहा है कि आंध्र प्रदेश, खासकर विजयवाड़ा में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और उसके बाद आई बाढ़, उनके राजनीतिक जीवन में राज्य में देखी गई सबसे बड़ी आपदा है। उन्होंने बताया कि बारिश और बाढ़ के कारण कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार देर रात मीडिया से बात करते हुए नायडू ने कहा, 'मेरे राजनीतिक करियर में यह सबसे बड़ी आपदा है... हमारे सामने हुदहुद तूफान और तितली चक्रवात जैसी कुछ घटनाएं थीं लेकिन इनकी तुलना में यह मानवीय पीड़ा और संपत्ति का नुकसान सबसे बड़ा है।' नायडू ने कहा कि आपदा से संबंधित सभी रिपोर्ट केंद्र को भेजी जाएंगी और वह राज्य को नुकसान से उबरने के लिए धन देने का अनुरोध करेंगे।उन्होंने कहा, 'विजयवाड़ा में प्रकाशम बैराज में बाढ़ का जल स्तर उच्चतम रहा और 11.43 लाख क्यूसेक का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। बैराज को अधिकतम 11.9 लाख क्यूसेक बाढ़ के पानी को झेलने के लिए डिजाइन किया गया था।'शनिवार और रविवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आसमान में आफत बरसी। इस बारिश के चलते दोनों राज्यों में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं और सड़कें जलमगन हैं और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। जल भराव के चलते दोनों राज्यों में रेल, सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है।बारिश के चलते आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं। वहीं कई ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा है। बारिश के चलते कई रेलवे ट्रैक पानी में डूबे हुए हैं।

सरकार ने 23वें विधि आयोग का गठन किया, सवीच्च न्यायलय के सेवारत न्यायाधीश होंगे अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 23वें विधि आयोग का गठन कर दिया है। सोमवार देर रात जारी अधिसूचना में दिए आदेश के मुताबिक इसकी अवधि तीन साल तक रखी गई है। केंद्र सरकार ने

सोमवार को तीन साल की अवधि के लिए 23वें विधि आयोग के गठन किया है। सरकार अधिसूचना जारी की है, जिसमें सवीच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के सेवारत न्यायाधीश इसके अध्यक्ष और सदस्य होंगे। 22वें लॉ पैनल का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया था। सोमवार देर रात जारी कानून मंत्रालय के आदेश के मुताबिक पैनल में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष और सदस्य-सचिव सहित चार पूर्णकालिक सदस्य होंगे। विधि कार्य विभाग के सचिव और विधायी विभाग के सचिव इसके पदेन सदस्य होंगे। आदेश के मुताबिक पांच से अधिक अंशकालिक सदस्य नहीं हो सकते। आदेश में कहा गया, 'अध्यक्ष/सदस्य जो सवीच्च न्यायालय/उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा कर रहे हैं, वे सवीच्च न्यायालय/उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्ति की तारीख या आयोग के कार्यकाल की समाप्ति तक पूर्णकालिक आधार पर अपने कार्य करेंगे।' आदेश में यह भी कहा गया है कि यदि अन्य श्रेणी के व्यक्तियों को अध्यक्ष या पूर्णकालिक सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है, तो अध्यक्ष प्रति माह 2.50 लाख रुपये (निर्धारित) के वेतन का हकदार होगा। वहीं सदस्यों को 2.25 लाख रुपये प्रति माह का वेतन दिया जाएगा। सरकार ने 22वें विधि आयोग का गठन 21 फरवरी, 2020 को तीन वर्ष की अवधि के लिए किया था। जस्टिस अवस्थी ने नौ नवंबर, 2022 को अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी 2023 में 22वें विधि आयोग का कार्यकाल बढ़ा दिया था।

गुजरात के साणंद में बनेगा एक और सेमीकंडक्टर संयंत्र, रोजाना 63 लाख चिप का होगा उत्पादन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पीएम मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने केन्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

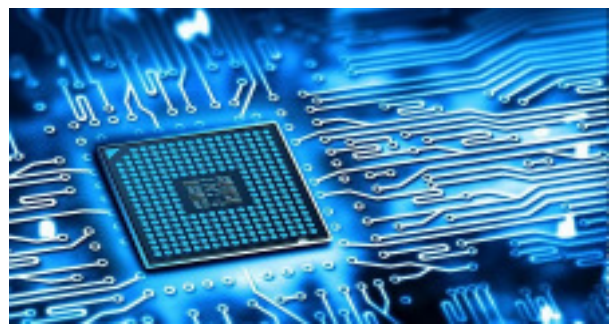

गुजरात के साणंद में 3,307 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित किया जाएगा। जिससे रोजाना 63 लाख चिप का उत्पादन होगा। गुजरात के साणंद में एक और सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित होगा। इस संयंत्र में प्रतिदिन 63 लाख चिप का उत्पादन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने सोमवार को केन्य सेमीकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके लिए 3,307 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में एक सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम स्थापित हो रहा है। केन्स का साणंद में संयंत्र 46 एकड़ में बनेगा। उत्पादन का बड़ा हिस्सा केन्स इंडस्ट्रीज को जाएगा। इसकी बुकिंग पहले ही हो चुकी है। यह संयंत्र बिजली क्षेत्र से संबंधित चिप की भी आपूर्ति करेगा। कंपनी ने इस परियोजना के लिए साणंद में पहले ही जमीन का अधिग्रहण कर लिया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। उन्होंने इस संयंत्र में बनने चिप औद्योगिक, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मोबाइल फोन में इस्तेमाल होंगे।देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए कार्यक्रम को 21 दिसंबर 2021 को 76,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ जारी किया गया था। सरकार ने साणंद सेमीकंडक्टर संयंद्ध स्थापित करने के पहले प्रस्ताव को जून, 2023 में मंजूरी दी थी। फरवरी, 2024 में तीन और सेमीकंडक्टर संयंत्रों को स्वीकृति दी गई। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स गुजरात के धोलेरा में एक सेमीकंडक्टर फैब और असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित कर रहा है। सीजी पावर साणंद में एक सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित कर रहा है। सभी चारों सेमीकंडक्टर संयंत्रों का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और इनके पास एक मजबूत सेमीकंडक्टर इको-सिस्टम उभर रहा है। ये चारों संयंत्र करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाएंगी। इन संयंत्रों की संचयी क्षमता लगभग 7 करोड़ चिप प्रतिदिन है।

पीएम मोदी ब्रनेई और सिंगापुर के दौरे पर हुऐ रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।पीएम मोदी ब्रनेई और सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर आज रवाना होंगे। यह पहला

मौका है जब भारत के प्रधानमंत्री एशियाई देश ब्रनेई की द्विपक्षीय यात्रा पर होंगे। भारत की आजादी के बाद बीते सात दशकों से अधिक के कालखंड में इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री का ब्रनेई दौरा मुमकिन नहीं हो सका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रनेई और सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय में सचिव-पूर्व जयदीप मजूमदार ने सोमवार को बताया, प्रधानमंत्री ब्रनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण पर 3 और 4 सितंबर को ब्रनेई की यात्रा पर होंगे। उन्होंने कहा कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ब्रनेई की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।पीएम मोदी ब्रनेई के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा करेंगे और ब्रनेई के साथ सहयोग के नये क्षेत्रों के अवसर भी तलाशेंगे। भारत ब्रनेई के साथ मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध साझा करता है और इनमें रक्षा, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ब्रनेई भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत के लिए उसके दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण साझीदार है।अपने दौरे के दूसरे चरण में, पीएम मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4 और 5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा करेंगे। दोनों नेता भारत-सिंगापुर रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करेंगे और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करेंगे। सिंगापुर आसियान में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है और यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रमुख स्रोत है।

आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष गिरफ्तार, वित्तीय अनियमितता मामले में सीबीआई ने की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से

तत्कालीन प्राचार्य संदीप की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। आखिरकार आरजी कर मेडिकल कॉलेज का पूर्व प्राचार्य को सीबीआई ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। 16 अगस्त से लगातार 15 दिनों तक संदीप को सीबीआई द्वारा पूछताछ का सामना करना पड़ा। पिछले शनिवार और रविवार को उनकी पूछताछ नहीं की गई थी, लेकिन सोमवार को उन्हें फिर से सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तलब किया गया। शाम को सीबीआई के अधिकारी संदीप को वहां से निकालकर निजाम पैलेस ले गए। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने सूचित किया कि संदीप को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीबीआई ने संदीप घोष के साथ दो विक्रेताओं बिप्लव सिंघा और सुमन हजारा और संदीप घोष के अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी अफसर अली को गिरफ्तार किया है। नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से तत्कालीन प्राचार्य संदीप की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। जांच का जिम्मा मिलने के बाद 15 अगस्त को सीबीआई ने उन्हें पहली बार तलब किया। उस दिन संदीप ने हाजिरी नहीं हुए। लेकिन अगले दिन सीबीआई ने उन्हें साल्ट लेक की सड़क से पकड़ लिया। संदीप को सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सीबीआई दफ्तर ले गए। इसके बाद से 24 अगस्त तक लगातार 9 दिनों तक उन्हें सीजीओ में तलब किया गया। उन्हें रोजाना 10 से 14 घंटे तक सीबीआई दफ्तर में रहना पड़ा। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त की सुबह सीबीआई की एक टीम ने संदीप के बेलघाटा स्थित घर पर छापा मारा। उन्हें 75 मिनट तक घर के बाहर इंतजार करवा कर बाद में दरवाजा खोला। सीबीआई अधिकारी अंदर गए और उस दिन संदीप से पूछताछ की। कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई महिला डॉक्टर की बलात्कार और हत्या की घटना की जांच कर रही है। इसके अलावा, अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच भी सीबीआई द्वारा की जा रही है। दोनों मामलों में संदीप को केंद्रीय एजेंसी की जांच के दायरे में रखा गया है। वित्तीय अनियमितताओं के मामले में 24 अगस्त को सीबीआई ने एफआईआर भी दर्ज की है। सूत्रों के अनुसार, इसी एफआईआर के आधार पर सीबीआई की टीम संदीप के घर पहुंची थी। इसके साथ ही अदालत की अनुमति से संदीप समेत कुल सात लोगों का पॉलीग्राफ परीक्षण भी किया गया।बता दें कि जूनियर डॉक्टर की मौत के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज में शुरू हुए आंदोलन में आवासीय डॉक्टरों और छात्रों की मुख्य मांग संदीप की बर्खास्तगी या इस्तीफा थी।

घटी सीटें और कड़े चुनावों के बीच भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू, कहां से आएगी नई ऊर्जा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भाजपा ने उन बूथों पर सबसे अधिक और सबसे पहले मेहनत करने का प्लान बनाया है जहां से उसे सबसे कम वोट मिले

हैं। यानी वह अपनी उसी कमजोर कड़ी को मजबूत करना चाहती है जो उसकी कमजोरी साबित हो रहे हैं। इसके लिए मंगलवार से ही अभियान शुरु कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाजपा का पहला सदस्य बनाकर पार्टी ने आज से अपना सदस्यता अभियान शुरु कर दिया है। अगले 15 दिनों तक चलने वाले इस सदस्यता अभियान में पार्टी ने दस करोड़ प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा ने यह लक्ष्य ऐसे समय में निर्धारित किया है जब लोकसभा चुनावों में उसकी सीटों की संख्या घटी है। आने वाले छः विधानसभा चुनावों में भी उसे हर कहीं बेहद कड़ी चुनौती का सामना करना है। केंद्र के दस साल में उपजे एंटी इनकंबेंसी फैक्टर के साथ-साथ उसे कई राज्यों में सरकार होने के कारण भी एंटी इनकंबेंसी फैक्टर का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में का अपना जनाधार बढ़ाने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा? भाजपा इस सदस्यता अभियान से क्या हासिल करना चाहती है? इन प्रशनें के उत्तर भी भाजपा के शीर्ष नेताओं के बयानों में ही खोजे जा सकते हैं। पंडित दीन दयाल मार्ग पर स्थित भाजपा कार्यालय के विस्तार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना अनुभव साझा किया और कहा कि जब जनसंघ के कार्यकर्ता दीवारों पर दीया (जनसंघ का चुनाव चिन्ह) बनाते थे तब लोग उनका मजाक उड़ाते थे। यही हाल तब भी हुआ था जब 1984 में भाजपा केवल दो सीटों पर सफलता हासिल कर पाई थी। लेकिन उनके इरादे मजबूत और नीयत सही थी, और यही कारण है कि भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई है। पीएम के इन संदेशों में ही यह पढ़ा जा सकता है कि पार्टी की कुछ सीटें कम होने से उनके इरादे कमजोर नहीं पड़े हैं। भाजपा की यह रणनीतिक सोच हर जगह दिखाई पड़ती है।

ब्रिटेन ने इस्त्राइल को हथियारों के निर्यात पर लगाई आंशिक रोक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा कि 350 हथियारों निर्यात लाइसेंस में से करीब 30 पर रोक लगा दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हथियारों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं है। ब्रिटेन ने सोमवार को घोषणा की कि कुछ हथियारो के निर्यात पर आंशिक रूप से रोक लगा दी जाएगी, क्योंकि इनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का गंभीर उल्लंघन करने के लिए किए जाने का खतरा है। विदेश मंत्री डेविड लैमी ने हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा कि 350 हथियारों निर्यात लाइसेंस में से करीब 30 पर रोक लगा दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हथियारों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं है। लेबर पार्टी की सरकार पर गाजा युद्ध के दौरान इस्राइल के खिलाफ सख्त कदम उठाने का दबाव था। नई सरकार ने जुलाई में हुए आम चुनाव के बाद सत्ता में आने बाद यह फैसला लिया है। लैमी ने संसद में कहा, ऐसे संघर्ष के दौरान हमारी जिम्मेदारी है कि हम ब्रिटेन के हथियार निर्यात लाइसेंस की समीक्षा करें। उन्होंने कहा, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ है कि इस्राइल वास्तव में ब्रिटेन के कुछ हथियारों का इस्तेमाल मानवाधिकार कानूनों के गंभीर उल्लंघन में कर सकता है। ब्रिटेन, इस्राइल को हथियारों की सीधी आपूर्ति नहीं करता। लेकिन कुछ कंपनियों को इस्राइल को हथियार बेचने के लिए निर्यात लाइसेंस प्रदान करता है। आज के फैसले को रणनीतिक निर्यात लाइसेंसिंग मानदंडों के तहत लिया गया, जो मानवीय कानून के उल्लंघन के खतरे के आधार हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

चार साल की मासूम से दुष्कर्म गंभीर अपराध दोषी को जीवनभर जेल में ही रहना होगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि मासूम के साथ दुष्कर्म करना गंभीर अपराध है। दोषी को जीवनभर जेल में रहना पड़ेगा। चार वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म करने वाले को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अमित वीर सिंह की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सोमवार को सुनाए

फैसले में इस अपराध को अत्यंत गंभीर मानते हुए कहा कि दोषी ने अबोध बच्ची के साथ घृणित हरकत की है।उस पर किसी भी तरह का रहम नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने उस पर एक लाख पांच सौ रुपये का अर्थदंड भी लगाया। घटना साढ़े छह साल पहले पनूनांज थाना क्षेत्र में हुई थी। अभियोजन के मुताबिक पीडि़ता खेलते हुए पड़ोसी के घर की ओर चली गई।वहां उसे अकेला पाकर नार सिंह अपने घर के अंदर ले गया। उस वक्त उसके घर में भी कोई नहीं था। उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। उसके चंगुल से छूटकर रोते हुए बच्ची घर पहुंची और मां को घटना के बारे में बताया। तब पिता ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर मामले की विवेचना की और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई के दौरान महिला डॉक्टर समेत आठ गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सभी ने घटना का समर्थन किया।साक्ष्यों के परीक्षण और गवाहों के बयान के बाद कोर्ट ने दोषी नार सिंह को उम्रकैद और एक लाख 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रुपये पीडि़ता को मिलेगी।

कोर्ट मैरिज करने के बाद प्रेमिका को छोड़कर भागा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर कोतवाली स्थित कचहरी से कोर्ट मैरिज कर प्रेमिका को छोड़कर युवक फरार हो गया। बिना दहेज घर न आने की धमकी भी दी। पुलिस मामले में केस दर्ज

कर जांच में जुट गई है। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक बाजार निवासी युवती का उसी कस्बे के अतीक अहमद से प्रेम संबंध चल रहा था। जब वो शादी के लिए बोलती थी तो अतीक टालता रहा। वह दहेज के लिए दबाव बनाता था। आरोपी के मामा अलीम शाह, मकबूल आलम, अलीमुन, मरुन भी दहेज को लेकर धमकी देते थे। इस बीच आरोपी ने कचहरी में उससे शादी कर ली। शादी के बाद वह उसे कचहरी में ही छोड़कर फरार हो गया। जाते समय यह कहते हुए धमकाया कि दहेज में पांच लाख रुपये नकद व अपाचे बाइक लेकर ही घर आना। बताया कि दहेज कीमांग पूरी न करने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी और उसके परिजनों सहित कुल पांच लोगों पर दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

नशा है समाज के लिए अभिशाप- सौरभ कांत पति तिवारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। युवा भारत ट्रस्ट द्वारा सदर ब्लाक के मड़रा गांव में नशा मुक्ति अभियान चलाकर युवाओं

को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। युवा भारत ट्रस्ट के संस्थापक सौरभ कांत पति तिवारी ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा विगत आठ वर्षों से ग्रामीण युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाकर उनको नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में नशा बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है।आज जितनी भी घटनाएं घटित हो रही है उसमें कहीं ना कहीं नशा का भी एक बड़ा योगदान है।सौरभ ने कहा है कि उन्होंने यह ठाना है कि अपने देश को नशा मुक्त बनाना हैं और अपने देश के युवाओं को समाज के लिए प्रेरित कर स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर भी बनाना है।वही ट्रस्ट के पदाधिकारी संत पति मिश्रा एंव इमरान अंसारी ने बताया कि सबसे ज्यादा नशे की चपेट में गांव के बच्चे आ रहे हैं जिसको हम सभी को बहुत ध्यान में रखना होगा क्योंकि अगर अभी हम लोगों ने ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में यह सभी बच्चे नशे का शिकार बन जाएंगे और उनका भविष्य अधर में चला जाएगा।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बाबूलाल मौर्य ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है खास तौर से हमारे गांव मड़रा और उसके आसपास के गांव में नशा मुक्ति अभियान का बहुत असर देखने को मिला है युवाओं ने नशा तो छोड़ा ही है साथ-साथ दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित भी किया है।उक्त अवसर पर सुनील, मोईनुद्दीन मोनू,अनिल मौर्या, पांडेजा पाठक,कमलेश,भरत,सोनू, नसीम,दिनेश आदि लोग उपस्थित रहे।

पिकनिक मनाने गए अधिवक्ता की डूबने से मौत 20 घंटे बाद मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मांची थाना क्षेत्र में नगवां बांध पर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए युवा अधिवक्ता की पानी में डूबने से मौत हो गई। बांध के सामने नहाते समय पैर फिसलने

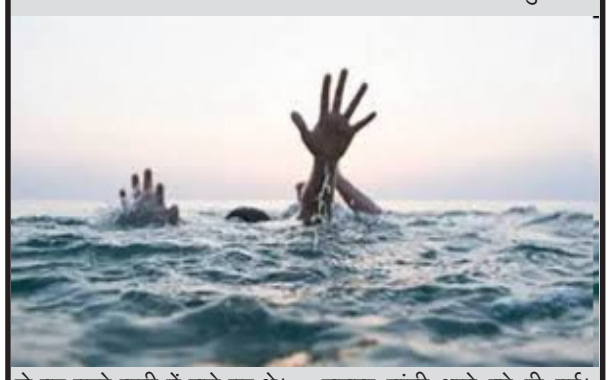

से वह गहरे पानी में चले गए थे। करीब 20 घंटे बाद सोमवार की दोपहर में उनका शव कर्मनाशा नदी से बरामद हुआ। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रायपुर थाना क्षेत्र के कोहरवल गांव निवासी ज्योतिष पटेल (39) पुत्र विजय परिजनों संग रॉबर्ट्सगंज के हाईडिल कॉलोनी में रहते थे। वह रॉबर्ट्सगंज कचहरी में प्रैक्टिस भी करते थे। रविवार को अपने पांच-छह दोस्तों के साथ नगवां बांध पर पिकनिक मनाने गए थे। शाम करीब छह बजे बांध के सामने नहाते समय वह तेज बहाव में आकर गहरे पानी में चले गए। जब तक अन्य साथियों की नजर पड़ी तब तक वह पानी में डूब गए। शोर गुल मचाते हुए लोग डूबे अधिवक्ता की तलाश में जुट गए। सूचना मांची थाने को दी गई। मौके पर पहुंचे एसओ ने गोताखोरों से संपर्क साधा, लेकिन रात होने के कारण तलाशी अभियान शुरू नहीं हो पाया। सोमवार की सुबह गेट बंद कराकर लोग कर्मनाशा नदी में तलाश में जुटे। काफी मशक्कत के बाद दोपहर 2 बजे अधिवक्ता का शव बरामद हुआ। मृतक की दो पुत्री और एक पुत्र हैं। करीब 20 दिन पूर्व ही बेटा पैदा हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

खेलते समय कुएं में गिरने से मासूम की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बिसरेखी गांव में सोमवार को

दो साल की बच्ची की कुएं में डूबने से मौत हो गई। घर के पास खेलते समय वह कुएं में गिर गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिसरेखी गांव निवासी बबलू उर्फ विजय के घर के पास एक कुआं है। सोमवार को उसकी दो वर्षीय बेटी खेलते समय कुएं के पास चली गई। वहां फिसलकर कुएं में गिर पड़ी। आनन फानन में मशीन चला कर कुएं को खाली कराया गया। लगभग डेढ़ घंटे में कुआं खाली हुआ तो अंदर बच्ची मरणासन्न-स्थिति में पड़ी थी। उसे बाहर निकाला गया, मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। लेखपाल मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। घटना की सूचना घोरावल पुलिस को दी गई।

सास की हत्या कर जंगल में पत्तों से छिपाया था शव, दामाद की निशानदेही पर कंकाल बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में सास की हत्या के आरोपी दामाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि पतनै को घर ले जाना चाहता था, लेकिन सास इस बात के लिए राजी नहीं हो रही थी। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के बनमहरी जंगल से पुलिस ने दामाद की निशानदेही पर सास का कंकाल बरामद किया। हत्या के आरोप में दामाद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बीजपुर थाना क्षेत्र के पिंडारी गांव निवासी एक युवक पर अपनी सास की हत्या करने का आरोप परिजनों ने लगाया है। दामाद ने हत्या के बाद शव को बनमहरी के जंगल में पत्ते से छिपा दिया था। सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने म्योरपुर थाना क्षेत्र के बनमहरी के जंगल से मृतका का कंकाल बरामद कर लिया। मृतका के

परिजनों ने कपड़े से शव की शिनाख्त की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। मृतका के पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। बीजपुर के पिंडारी गांव निवासी बद्रीनारायण विश्वकर्मा (35) पुत्र मुनीदेव विश्वकर्मा की शादी दस वर्ष पूर्व सिंगरौली के माड़ा थाना क्षेत्र के अमहरा गांव निवासी रामगोपाल विश्वकर्मा की पुत्री के साथ हुई थी। शादी के बाद आरोपी ससुराल में ही रह रहा था। एक माह पूर्व बीते एक अगस्त को बीजपुर स्थित बैंक में खाता की केवाईसी कराने तथा मजदूरी का पैसा खाते में मंगाने की बात को बताकर अपनी सास को स्कूटी पर बैठाकर ले आया। लेकिन वहां न जाकर बनमहरी के जंगल में ले जाकर हेलमेट से वार कर हीराकुंवर (53) पतनै रामगोपाल विश्वकर्मा की हत्या कर शव को पत्तों से ढककर वापस ससुराल आ गया। मृतका के पति ने पतनै के गुमशुदगी की रिपोर्ट माड़ा थाना पर दर्ज कराई। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करने की बात को कबूल किया। आरोपी अपनी पतनै को अपने घर पिंडारी लाना चाहता था लेकिन सास इस बात के लिए राजी नहीं हो रही थी, इसलिए सास की हत्या कर शव को बनमहरी के जंगल में पत्तों से छिपा दिया।

बढ़ रहा डायरिया, किशोरी समेत छह मरीज फिर मिले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बभनी विकासखंड के पोखरा, बचरा बरवाटोला, बभनी गांव में डायरिया पांव पसार रहा है। सोमवार को क्षेत्र के विभिनन गांवों के मरीजों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉक्टर उनके उपचार में जुटे हुए हैं। पोखरा गांव निवासी सुखवंती (45) पुत्री राधाकृष्ण, मुनने (35) पतने शंखलाल, चंदा (16) पुत्री राधाकृष्ण, बचरा निवासी केवलपती (54) पतने शिवशंकर, बभनी निवासी विजय कुमार (50) पुत्र बेचन, देवमूरत (55) को बभनी सीएचसी में भर्ती कराया गया।

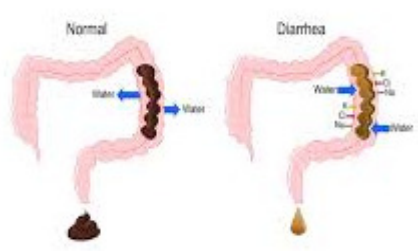

इसके पहले बभनी थाना क्षेत्र के सेंदूर और डूमरहर गांव में डायरिया से मौत भी हो चुकी है। गांव में झोलाछाप ग्रामीणों का मनमानी उपचार कर रहे हैं। मरीजों को भर्ती कर बोतल पानी चढ़ा रहे हैं। एक होम्योपैथिक क्लीनिक में भी मरीजों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। विभाग इससे बेपरवाह बना हुआ है। सीएचसी के अधीक्षक डॉ. राजन सिंह ने बताया कि जो भी मरीज आ रहे हैं, उनका उपचार किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों को पानी का प्रयोग उबाल कर करने की सलाह दी जा रही है।

पैसे के विवाद में हत्या करने के दोषी को आजीवन कारावास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। रुदौली गांव में 2008 हत्या कर शव फेंके जाने के मामले की सुनवाई करते हुए जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार के अर्थदंड से दंडित भी किया है। अर्थदंड नहीं देने पर चार साल की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। चुनार थाने के रुदौली निवासी ग्राम चौकीदार लक्ष्मण ने 24 मार्च 2008 को थाने में सूचना दी कि गांव के पास स्थित पुलिया के नीचे किसी अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। उसका दोनों हाथ गमछे से बंधा हुआ है। सिर पर चोट के निशान हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई। उसकी शिनाख्त जमुना प्रसाद निवासी बियाहुर थाना अहरौरा के रूप में हुई। भाई गंगा राम ने तहरीर देकर बताया कि उनका भाई जमुना प्रसाद ने डेढ़ बीघे जमीन का बैनामा कराने के लिए कपिलदेव पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय निवासी घासीपुर को पैसा दिया था। पैसा न देकर उसके भाई को बुलाकर हत्या कर दी।

एडिशनल एसपी ने ली सलामी जाना पुलिस लाइन परिसर का हाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। मंगलवार को कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया । निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई । निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा पुलिस लाईन चुर्क के परिवहन शाखा में कतार में खड़ी सभी वाहनों का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात भोजनालय कक्ष में पहुचकर पुलिसकमिर्यों हेतु बने भोजन को स्वंय खाकर भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया, तदोपरान्त पुलिस बैरकों व आवासीय परिसर का निरीक्षण कर सम्बंधित को मरम्मत और साफ-सफाई आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सोनभद्र पुलिस द्वारा चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। समस्त थानों की महिला पुलिसकमिर्यों व एन्टीरोमियो टीम द्वारा मंदिर, बाजारों, प्रमुख मार्गो, स्कूल/कॉलेजों आदि पर की जा रही चेकिंग महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत महिलाओं/बलिकाओं को किया जा रहा जागरूक शासन

की मंशा के अनुरूप महिलाओं/ बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों के सम्बंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा/आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से एक समग्र अभियान "मिशन शक्ति अभियान" चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनांक 03.09.2024 को नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी/महिला बीट आरक्षियों/ एण्टीरोमियों टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बीट/गांव/स्कूल/ कॉलेज में जाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौपाल लगाकर बालिकाओं एवं महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा मिशन शक्ति के सम्बन्ध में सभी बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक किया, उनकी समस्याओं को सुनते हुए उन्हें मनचलों, अराजक तत्वों से निपटने तथा आत्मरक्षा करने के लिए आवश्यक आत्मरक्षात्मक गुण सिखाये गये इसके साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु संचालित विभिनन हेल्पलाइन नंबरों जैसे- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाई 102-स्वास्थ्य सेवा, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित 30प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया ।

अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में मंगलवार परेड की ली गई सलामी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़- पुलिस लाईन चुर्क के परिवहन शाखा, भोजनालय कक्ष एवं आवासीय परिसर/ पुलिस बैरिकों का बारिकी से निरीक्षण कर सम्बन्धित को विशेष दिए गए दिशा-निर्देश- आज दिनांक 03.09.2024 को श्री कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में मंगलवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया । निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई । निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा पुलिस लाईन चुर्क के परिवहन शाखा में कतार में खड़ी सभी वाहनों का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात भोजनालय कक्ष में पहुचकर पुलिसकर्मियों हेतु बने भोजन को स्वंय खाकर भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया।

एडी स्वास्थ्य कार्यालय में घूस लेते डाटा असिस्टेंट गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी की टीम ने सोमवार को अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कार्यालय से डाटा असिस्टेंट को सोमवार को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि कर्मचारी का रोका गया वेतन दिलाने के नाम पर 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। सतर्कता टीम डाटा असिस्टेंट को लेकर जाने लगी तो कार्यालय में खलबली मच गई। टीम आरोपी को गाड़ी में बैठाकर वाराणसी कार्यालय ले गई। जहां मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई।राजगढ़ सीएचसी में तैनात पंकज दुबे व एक अन्य व्यक्ति की फर्जी नियुक्ति की किसी ने अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विंध्याचल मंडल कार्यालय में शिकायत की थी। इस मामले में अपर निदेशक ने पंकज दुबे को जांच समिति को जरूरी अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जरूरी अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने पर जांच पूरी होने तक उनका वेतन रोक दिया गया। पंकज ने पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी में शिकायत की कि अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय में तैनात डाटा असिस्टेंट कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा ने उनका रोका गया वेतन दिलाने के बदले 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की है। पंकज की लिखित शिकायत की जांच पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी में की गई। जांच से आरोप की पुष्टि होने के बाद सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी की टीम ने कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा को सोमवार की सुबह अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय से शिकायत कर्ता पंकज दुबे से 50 हजार रुपये नकद लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। सुबह टीम द्वारा डाटा सहायक को पकड़े जाने पर कार्यालय में खलबली मच गई। टीम डाटा असिस्टेंट को गाड़ी में बैठाकर वाराणसी निकल गई। संयुक्त निदेशक डॉ.एके सिंह का कहना है कि किसी ने पंकज दुबे व एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ फर्जी नियुक्ति की शिकायत की थी। उसकी जांच चल रही है। जांच में सहयोग न देने पर पंकज का वेतन रोका गया था। पंकज की शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान वाराणसी की टीम डाटा असिस्टेंट को पकड़ कर ले गई है।

सोमवती अमावस्या पर महिलाओं ने की पीपल वृक्ष की परिक्रमा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। सोमवती अमावस्या पर सोमवार को महिलाओं ने पीपल

वृक्ष की पूजा कर परिक्रमा की। सुबह गंगा में सनन के लिए भी घाटों पर भीड़ रही। सनन के बाद श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर जलाभिषेक कर भगवान शंकर के दर्शन किए। नगर के बरियाघाट, पक्काघाट, संकठाघाट, नारघाट, बदलीघाट सहित अन्य घाटों पर सनन कर महिलाएं गंगा तट अथवा मंदिरों के पास स्थित पीपल वृक्ष के समक्ष धूप, दीपक, अगरबत्ती जलाकर पूजा कर कच्चे सूत के धागे से फेरे लगाए। इसी तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में भी पीपल वृक्ष की पूजा की गई। सोमवती अमावस्या पर नगर के बरियाघाट स्थित श्री पंचमुखरी महादेव मंदिर, तारकेश्वर महादेव, सत्ती रोड स्थित बूढ़ेनाथ महादेव मंदिर में काफी भीड़ रही। छानबे क्षेत्र के अलावा पड़री, चुनार, चील्ह, मझवां, नरायनपुर क्षेत्र में भी महिलाओं ने गंगा में सनन कर पीपल वृक्ष की पूजा की।

स्पोर्ट्स

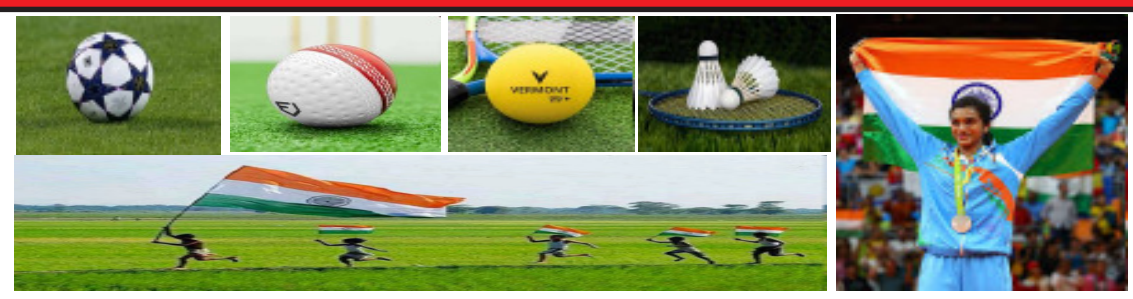

धोनी खुद को आइने में देखें, कभी माफ नहीं करूंगा', युवराज के पिता योगराज फिर हुए आगबबूला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह एक बार फिर एमएस धोनी पर जमकर बरसे हैं। भारत के लिए सात मैच खेल चुके योगराज ने कई बार सार्वजनिक मंच पर भारत के पूर्व कप्तान धोनी की आलोचना की है और उन पर अपने बेटे युवराज का करियर बर्बाद करने का आरोप लगााया है। धोनी पर फिर से हमला बोलते हुए योगराज ने कहा है कि वह धोनी को जिंदगी में कभी माफ नहीं करेंगे। योगराज का कमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। योगराज ने जी स्विच के यूट्यूब चैनल से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा। उन्हें आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के खिलाफ जो किया है, वह सब कुछ अब सामने आ रहा है। उन्हें जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैंने जीवन में कभी दो चीजें नहीं की हैं, पहला जिसने मेरे लिए गलत किया है, मैंने उसे कभी माफ नहीं किया है और दूसरा, मैंने अपने जीवन में कभी भी उन्हें गले नहीं लगाया है, चाहे वह मेरे परिवार के सदस्य हों या मेरे बच्चे। यह पहली बार नहीं है जब योगराज ने धोनी पर सीधा निशाना साधा है। इस साल की शुरुआत में 66 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि धोनी के बुरे कामों के कारण सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। उन्होंने धोनी पर युवराज से ईर्ष्या करने का भी आरोप लगाया। योगराज ने कहा था, 'सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। वे क्यों हार गए? जो बोओगे, वैसा ही काटोगे। युवराज सिंह आईसीसी के एम्बेसडर हैं, उन्हें सलाम! ईर्ष्यालु धोनी, वह कहां हैं? उसने युवराज से हाथ तक नहीं मिलाया और यही कारण है कि सीएसके इस साल विफल रही।' धोनी ने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, 43 वर्षीय यह दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज अभी भी आईपीएल में एक खिलाड़ी के रूप में सक्रिय है। चेनन्ई सुपरकिंग्स के साथ धोनी का भविष्य फिलहाल अनिश्चित है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि वह अगले साल आईपीएल में हिस्सा लेगा या नहीं। इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। यह बात भी सामने आई थी कि सीएसके उन्हें एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में खिलाने के लिए बीसीसीआई को मना रहा था। वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के भविष्य से धोनी की भविष्य तय होगी।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या सुमति ने जीता कांस्य पदक, महिला सिंगल एचएस6 स्पर्धा में मिली सफलता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक 2024 में युवा भारतीय शटलर नित्या सुमति सिवान को पदक जीतने में कामयाबी मिली है। नित्या ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में इंडोनेशिया की रीना मार्लिना को 21-14, 21-6 से हराया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आने वाली 19 वर्षीय खिलाड़ी नित्या ने पेरिस से लगभग 11 महीने पहले एशियन पैरा गेम्स (अक्तूबर, 2023) में भी कांस्य पदक अपने नाम किया था। नित्या ने एकल के अलावा युगल मुकाबले में भी अपनी छाप छोड़ी थी और उन्होंने इस स्पर्धा का कांस्य पदक भी अपने नाम किया था। दरअसल, भारत ने पेरिस पैरालंपिक 2024 के बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल एसएच6 स्पर्धा में नित्या सुमति के कांस्य पदक जीतने से पहले एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य जीत चुका था। पुरुष एकल एसएल3 स्पर्धा में कुमार नितेश ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तर प्रदेश से आने वाले नौकरशाह सुहास एलवाई ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा महिलाओं की एकल स्पर्धा एसयू5 में टी मुरुगेसन और मनीषा रामादास को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिले। इसके बाद दिन के अंतिम मुकाबले में नित्या ने भारत की झोली में एक और कांस्य पदक डालने में सफलता पाई। गौरतलब है कि सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात खेले गए मुकाबले में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी नित्या सुमति के कांस्य पदक जीतते ही भारत की कुल पदक संख्या 15 हो चुकी है। नित्या की विजय के बाद ओवरऑल पदक तालिका में भी भारत 15वें पायदान पर आ गया है। भारत की झोली में फिलहाल तीन स्वर्ण, पांच रजत और सात कांस्य पदक हैं।

सात साल की उम्र में पिता को खोया, हादसे में गंवाया पैर, अब पेरिस पैरालंपिक में जीता सोना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुमित ने कभी हार नहीं मानी और बुलंद हौसले के साथ हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला किया। चेहरे पर मुस्कान रखने वाले सुमित ने न सिर्फ अपने से बड़ी तीन बहनों रेनू, सुशीला व किरण को हौसला दिया। भारत के स्टार भाला फेंक पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक में पुरुष भाला फेंक एफ64 वर्ग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सुमित ने दूसरे प्रयास में 70.59 मीटर का थ्रो किया जो उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। इतना ही नहीं सुमित का यह थ्रो पैरालंपिक का रिकॉर्ड है। सुमित इस तरह पैरालंपिक में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहे। सुमित के लिए हालांकि इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं रहा। उनका सफर कठिनाइयों भरा रहा है। 2015 में हुए सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। सुमित ने कभी हार नहीं मानी और बुलंद हौसले के साथ हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला किया। चेहरे पर मुस्कान रखने वाले सुमित ने न सिर्फ अपने से बड़ी तीन बहनों रेनू, सुशीला व किरण को हौसला दिया, बल्कि इकलौते बेटे के साथ हुए हादसे से दुखी मां निर्मला देवी को भी कहा, मां रो मत, मैं आपको जीवन की हर खुशी दूंगा। सुमित ने अपनी कही बात को सच कर दिखाया और कड़ी मेहनत से टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड जीतकर मां व बहनों को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया सुमित आंतिल का जन्म सात जून 1998 को हुआ था। तीन बहनों के इकलौते भाई ने परिवार की कमी को पूरा कर दिया। सुमित जब सात साल के थे, तब एयरफोर्स में तैनात पिता रामकुमार की बीमारी से मौत हो गई। पिता का साया उठने के बाद मां निर्मला ने हर दुख सहन करते हुए चारों बच्चों का पालन-पोषण किया। निर्मला देवी ने बताया कि सुमित जब 12वीं कक्षा में था, कॉमर्स का ट्यूशन लेता था। 5 जनवरी 2015 की शाम को वह ट्यूशन लेकर बाइक से वापस आ रहा था, तभी सीमेंट के कट्टों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सुमित को टक्कर मार दी और काफी दूर तक घसीटते ले गई। इस हादसे में सुमित को अपना एक पैर गंवाना पड़ा। निर्मला देवी ने बताया कि हादसे के बावजूद सुमित कभी उदास नहीं हुआ। रिश्तेदारों व दोस्तों की प्रेरणा से सुमित ने खेलों की तरफ ध्यान दिया और साई सेंटर पहुंचा। जहां एशियन रजत पदक विजेता कोच विरेंद्र धनखड़ ने सुमित का मार्गदर्शन किया और उसे लेकर दिल्ली पहुंचे। यहां द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच नवल सिंह से जैवलिन थ्रो के गुर सीखे। सुमित ने वर्ष 2018 में एशियन चैंपियनशिप में भाग लिया, लेकिन पांचवीं रैंक ही प्राप्त कर सका। वर्ष 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। इसी वर्ष हुए नेशनल गेम में सुमित ने स्वर्ण पदक जीत खुद को साबित किया।

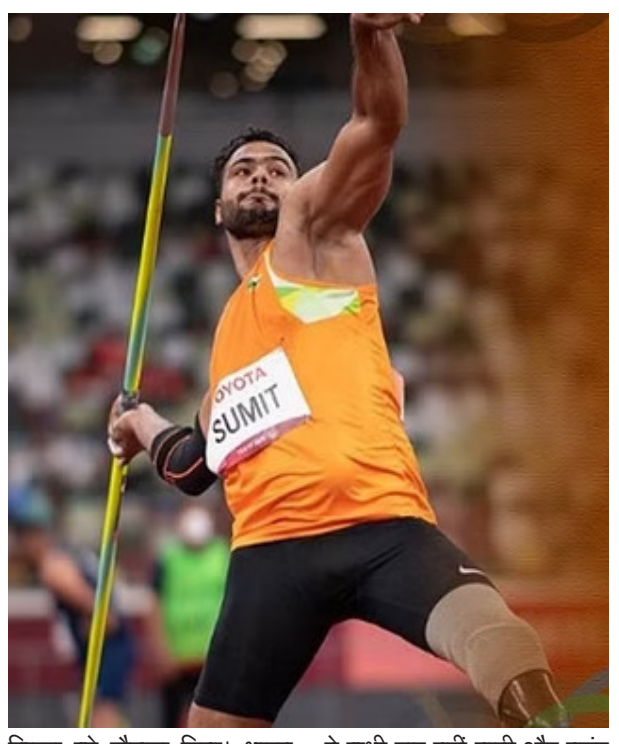

अंजू बॉबी के रिकॉर्ड को तोड़ने से चूकीं सोजन, सर्वश्रेष्ठ प्रयास से जीता स्वर्ण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तमिलनाडु के नितिन इस आयोजन के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए। उन्होंने 200 मीटर दौड़ को 20.66 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। सेना की लंबी कूद की अनुभवी खिलाड़ी एंसी सोजन ने सोमवार को राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप के समापन दिन 6.71 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए स्वर्ण पदक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का पुरस्कार अपने नाम किया। 23 साल की यह खिलाड़ी दिग्गज अंजू बॉबी जॉर्ज के 2002 में बनाए गए 6.74 मीटर के मीट रिकॉर्ड को तोड़ने से मामूली अंतर से चूक गई।उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, 'मेरा 6.71 मीटर का स्वर्ण जीतने वाला प्रदर्शन 2025 सत्र की तैयारी के लिए एक अच्छा मानदंड होगा।' तमिलनाडु के नितिन इस आयोजन के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए। उन्होंने 200 मीटर दौड़ को 20.66 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों की पदक विजेता विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के लंबे समय से चले आ रहे मीट रिकॉर्ड को अपने नाम किया। उन्होंने 56.23 सेकेंड में अपनी दौड़ पूरी कर दिग्गज पीटी उषा द्वारा 1985 में कायम मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। उषा का रिकॉर्ड 56.80 सेकेंड का था।सेना की टीम 137 अंक के साथ पुरुष वर्ग की चैंपियन बनी, जबकि रेलवे (201 अंक) ने महिला टीम का खिताब जीता। रेलवे को 318 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन भी घोषित किया गया।

महिला बैडमिंटन खिलाडियों का शानदार प्रदर्शन मुरुगेसन को मिला रजत मनीषा ने जीता कांस्य पदक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। थुलासिमाथी मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि मनीषा रामदास ने इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारत इस तरह पेरिस पैरालंपिक में अब तक 11 पदक जीत चुका है। वहीं, देश को बैडमिंटन में तीसरा पदक मिला है। भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाडि़यों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक में दो पदक दिलाए। थुलासिमाथी मुरुगेसन ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि मनीषा रामदास ने इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारत इस तरह पेरिस पैरालंपिक में अब तक 11 पदक जीत चुका है। वहीं, देश को बैडमिंटन में तीसरा पदक मिला है। मुरुगेसन और मनीषा से पहले नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। सबसे पहले मनीषा ने कांस्य पदक मुकाबले में डेनमार्क की कैथरीन रोसेनग्रेन को एकतरफा अंदाज में 21-12, 21-8 से हराया। मुरुगेसन का फाइनल में चीन की यांग क्यू जिया से सामना हुआ, जहां यह भारतीय खिलाड़ी अपनी प्रतिद्वंद्वी के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकीं और उन्हें 17-21, 10-21 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा 19 वर्षीय मनीषा को रोसेनग्रेन को पछाड़ने में सिर्फ 25 मिनट लगे। मनीषा ने पूरे मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने पहले गेम में ही बढ़त बना ली थी और यह गेम 13 मिनट में अपने नाम किया।

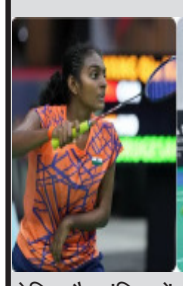

शीतल देवी और राकेश कुमार की जोड़ी ने मिश्रित टीम तीरंदाजी में जीता कांस्य, भारत को मिला 13वां पदक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत का पेरिस पैरालंपिक में यह 13वां पदक है। भारत अब तक इन खेलों में दो स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदक जीत चुका है। शीतल और राकेश की जोड़ी सेमीफाइनल में शूटऑफ में ईरान की फातिमा हेमाती और हादी नोरी की जोड़ी से हार गई थी। शीतल देवी और राकेश कुमार की पैरा तीरंदाजी जोड़ी ने मिश्रित टीम कंपाउंड ओपन कांस्य पदक मुकाबले में इटली की एलोनोरा सारती और मातेओ बोनासिना की जोड़ी को 156-155 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत का पेरिस पैरालंपिक में यह 13वां पदक है। भारत अब तक इन खेलों में दो स्वर्ण, पांच रजत और छह कांस्य पदक जीत चुका है। शीतल और राकेश की जोड़ी सेमीफाइनल में शूटऑफ में ईरान की फातिमा हेमाती और हादी नोरी की जोड़ी से हार गए थे। भारत के लिए पैरालंपिक में तीरंदाजी का पदक सिर्फ हरविंदर सिंह ने तीन साल पहले टोक्यो में जीता था। हरविंदर भी कांसा लाए थे। भारत को जीत तब मिली जब 17 वर्ष की शीतल का शॉट रिविजन के बाद अपग्रेड कर दिया गया। चार तीर बाकी रहते भारतीय जोड़ी एक अंक से पिछड़ रही थी लेकिन आखिर में संयम के साथ खेलते हुए जीत दर्ज की।भारतीय जोड़ी फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी लेकिन ईरानी टीम की शानदार वापसी और एक जज द्वारा स्कोर के रिविजन के बाद उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। स्कोर 152-152 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूटऑफ में गया। ऐसा लग रहा था कि भारतीय जोड़ी ने जीत दर्ज कर ली है जब ईरानी टीम ने चौथे तीर पर नौ स्कोर किया तब जज ने समीक्षा के बाद उसे 10 करार दिया। इससे मुकाबला शूटऑफ तक गया। शूटऑफ में दोनों टीमों ने परफेक्ट स्कोर किया लेकिन फातिमा का तीर बीचोंबीच लगा जिससे ईरानी टीम ने फाइनल में जगह बनाई। शीतल का जन्म 2007 में फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ जन्मजात विकार के साथ हुआ था जिसके कारण उसके अंग अविकसित रह जाते हैं। इस बीमारी के कारण उसके हाथ पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाए। 39 वर्षीय राकेश को रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी और 2009 में इससे उबरने के बाद उन्हें अहसास हुआ कि अब उन्हें जीवन भर व्हीलचेयर पर रहना होगा जिससे वे अवसाद में चले गए और यहां तक कि उन्होंने आत्महत्या करने के बारे में भी सोचा। रविवार को राकेश पुरुषों के कंपाउंड ओपन वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में चीन के ही जिहाओ से एक अंक से हार गए थे। इससे पहले शीतल और राकेश ने क्वार्टर फाइनल में तियोडोरा ऑडी आयुदिया फेरेलिन और केन स्वेगुमिलांग की इंडोनेशिया की जोड़ी को आसानी से 154-143 से हराया था। मिश्रित कंपाउंड ओपन वर्ग में शीतल और राकेश की शीर्ष वरीय जोड़ी ने सेमीफाइनल तक के सफर के दौरान शानदार फॉर्म दिखाई जिसे कांस्य पदक मुकाबले में भी बरकरार रखा।

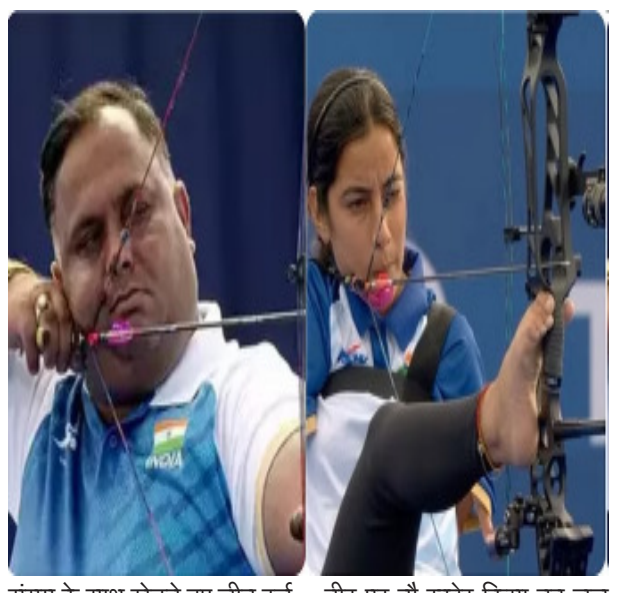

राशि फल

आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें।

भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा ।

कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे।

किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे ।

आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा।

आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें।

आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं।

कंप्यूटर इंजीनियर से आईएएस अधिकारी तक, ऐसा रहा सुहास का सफर, टोक्यो की सफलता दोहराने में हुए सफल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुहास ने पेरिस पैरालंपिक में टोक्यो का प्रदर्शन दोहराया और पुरुष एकल एसएल4 स्पर्धा में स्वर्ण जीतने में सफल रहे। कंप्यूटर इंजीनियर से आईएएस अधिकारी बने सुहास ने अपने टखने की कमजोरी को बैडमिंटन के प्रति अपने जुनून में कभी बाधा नहीं बनने दिया। वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के तहत युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में तैनात सुहास का प्रशासन से बैडमिंटन कोर्ट तक का सफर उनकी उल्लेखनीय दृढ़ता के बारे में है। सुहास ने पेरिस पैरालंपिक में टोक्यो का प्रदर्शन दोहराया और पुरुष एकल एसएल4 स्पर्धा में रजत पदक जीतने में सफल रहे। इसी तरह सुहास पैरालंपिक में लगातार दो पदक जीतने वाले भारत के पहले बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। सुहास ने बताया था कि बचपन में ही उनके पिता ने उनमें ऐसा कूट-कूटकर आत्मविश्वास भरा कि इंजीनियरिंग से आईएएस और यहां से पैरा शटलर के रास्ते खुलते गए। सुहास के मुताबिक उन्हें मेडिटेशन की जरूरत नहीं पड़ती। जब वह कोर्ट पर होते हैं तो उन्हें आध्यात्म का अनुभव होता है। बैडमिंटन ही उनके लिए ध्यान और साधना है। अहम जिम्मेदारी होने के बावजूद सुहास बैडमिंटन के लिए समय निकाल लेते हैं। वह कहते हैं कि दुनिया में लोगों के पास 24 घंटे ही हैं। इनमें कई सारे काम कर लेते हैं और कुछ कहते हैं कि उनके पास समय नहीं है। किसी चीज के प्रति दीवानापन है तो उसे करने में तकलीफ नहीं होती। इसी तरह बैडमिंटन उनके लिए एक आध्यात्मिक अनुभव है। काम के साथ तीन घंटे की मेडीटेशन की बात को बड़ा नहीं माना जाएगा, लेकिन काम के साथ तीन घंटे बैडमिंटन खेलना लोगों को बड़ा लगेगा। बैडमिंटन उनके लिए मेडीटेशन है। जब वह खेलते हैं तो आध्यात्म का अनुभव करते हैं जिसमें किस तरह एक-एक प्वाइंट के लिए डूबना होता है। अगर किसी चीज को करने की चाहत है तो सामंजस्य बिठाया जा सकता है। सुहास ने बताया था कि वह बैडमिंटन कॉलेज के दिनों से पहले से भी रोजाना खेलते आ रहे हैं। जब वह 2007 में आईएएस अकादमी मसूरी गए तो वहां साई कोच एमएम पांडे मिले। अकादमी में वह बैडमिंटन और स्क्वैश के उपविजेता रहे। उस दौरान एमएम पांडे ने उन्हें एक दिन कोर्ट पर बुलाया और इधर-उधर शटल देकर बुरी तरह नचाया। वह थक गए तो कोच ने कहा कि अपने पर घमंड मत करो। उन्हें अभी ट्रेनिंग की जरूरत है। तब उन्होंने बैडमिंटन की कोचिंग दी और उसके बाद गौरव खनन उन्हें पैरा बैडमिंटन में लाने के लिए जिम्मेदार बने।

सम्पादकीय

यह असंवेदनशीलता नई नहीं पुलिस के दमन से हताशा, जागृति के साथ सड़कों पर आक्रोशित जनता

बंगाल में पिछले दिनों जो दृश्य दिखे, वे बहुत दिनों से सुलग रहे क्षोभ के ज्वालामुखी बनने की कहानी है। पश्चिम बंगाल में 27 अगस्त के नवानन अभियान को लेकर एक बांग्ला गीत वायरल हुआ है, जो राज्य के मौजूदा हालात को बखूबी बयां करता है। 'ए केमन राज्य बलो, के खराब आर के भालो। ए केमन होच्छे खेला, चारो दिगे कष्टेर मेला। भालो मानुष अंधकारे, अमानुषरा आलोर डारे' यानी यह कैसा राज्य है, कौन अच्छा है और कौन खराब-भेद करना मुश्किल है। यह किस तरह का 'खेला' है? हर तरफ दुख-दर्द का मेला है। अच्छे लोग अंधकार में रह रहे हैं और अमानुष प्रकाश का आनंद उठा रहे हैं। बंगाल के इस कानफोड़ू कोलाहल और बीच-बीच में उठ रहे आर्तनाद के पीछे 'अब बस, बहुत हुआ' जैसा क्षोभ है। पुलिस को दमन की मशीनरी बनाने और भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी को प्रतिष्ठानिक रूप देने के चलते आम जनता हताश है। आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्याकांड ने आक्रोश को ज्वालामुखी बना दिया है। छात्र समाज के नवानन चलो अभियान को सत्ताधारियों ने भले ही 19 जगहों पर किलानुमा दीवारें खड़ी कर विफल कर दिया हो, पर 28 अगस्त को बुलाए गए बंगाल बंद को विफल करने के लिए उतरी पुलिस को कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। 'आत्महत्या' (जैसा कि फोन कर अस्पताल ने बताया) करने वाली अपनी इकलौती बेटी का शव देखने के लिए मां-बाप को अगर तीन घंटे का इंतजार कराया गया, तो शक क्यों नहीं पैदा होगा सवाल है कि जिस नवानन अभियान को रोकने के लिए अगर 19 जगहों पर लोहे की दीवारें खड़ी की गई थीं, तो 14 अगस्त की रात पुलिस कहां थी? जब उपद्रवियों ने अस्पताल की करोड़ों की संपत्ति तोड़ दी संदेशखाली कांड में शेख शाहजहां को पकड़ने में 50 दिन लगाने वाली पुलिस की मौजूदा सक्रियता सवालों के घेरे में है सवाल है कि आरजी कर मामले में मुख्यमंत्री ममता ने खुद के शासन के खिलाफ पदयात्रा का प्रहसन क्यों किया उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री को पत्र लिख मारा, जिसका जवाब आया कि पश्चिम बंगाल को दुष्कर्म और बाल यौन अपराध के मामलों की सुनवाई के लिए 123 फास्ट-ट्रैक अदालतें आवंटित की गई हैं, लेकिन उनमें से कई अदालतें आज भी काम नहीं कर रही हैं। 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद के स्थापना दिवस के भाषण में ममता ने?न आंदोलनों को बंगाल की बदनामी से जोड़ दिया और दुष्कर्म के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की मांग पर पूरे राज्य में ब्लॉक स्तर पर धरना देने का कार्यक्रम घोषित किया।सीबीआई से सवाल पूछे और आरजी कर अस्पताल के हड़ताली डॉक्टरों को दबे स्वर में धमकाया। विरोध में सड़क पर उतरे लोगों को 'बाहरी' बताया। विधानसभा में भी दुष्कर्मियों को 10 दिन के अंदर फांसी देने का कानून बनाने की बात कही, जो राज्य सरकारों के दायित्व में आता ही नहीं है। लोगों को झांसा देने वाले सरकार के इन नए-नए?कदमों पर एक शेर मौजूं है- मरीज-ए-इश्क पर रहमत खुदा की, मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की। बंगाल में पिछले दिनों जो दृश्य दिखे, वे बहुत दिनों से सुलग रहे क्षोभ के ज्वालामुखी बनने की कहानी है। 2011 में वाममोर्चा को हराकर सत्ता हासिल करने वाली ममता बनर्जी ने कुछ ही महीनों बाद भवानीपुर थाना पहुंचकर अपने दो दंगाई कार्यकर्ताओं को जबरन छुड़ा लिया। 2012 में कोलकाता के पार्क स्ट्रीट में एक एंग्लो इंडियन महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म को 'सजाई गई घटना' बताकर, 12 अप्रैल 2022 को नादिया जिले के हांसखाली में एक किशोरी से दुष्कर्म व हत्या पर उसके गर्भवती होने या यह प्रेम प्रसंग का बयान देकर ममता ने अपनी असंवेदनशीलता ही जाहिर की है। इसी वर्ष, कूचबिहार में भाजपा अल्पसंख्यक महिला मोर्चा की नेता को निर्वस्त्र कर पीटने को पुलिस ने पारिवारिक कलह बताया। उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा में एक कंगारू अदालत ने एक महिला को विवाहेत्तर संबंधों की सजा दी और जज के आसन पर बैठा था कुख्यात अपराधी ताजमुल उर्फ जेसीबी। कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि बंगाल शेख शाहजहां जैसे अत्याचारियों और पार्थ चटर्जी व ज्योतिप्रिय मलिक जैसे भ्रष्टाचारियों की करतूतों से पैदा हुए आक्रोश से सुलग रहा है। आज प्रेसिडेंसी जेल में पूर्व शिक्षामंत्री पार्थ चटर्जी का पड़ोसी आरजी कर अस्पताल कांड का आरोपी संजय रॉय ही है। ममता ने बंगाल में 'बाहरी लोगों' की लगाई आग से पड़ोस के कई राज्यों के चपेट में लेने की धमकी दी है, जिसे 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' का लक्षण नहीं तो और क्या कहा जाए? साथ ही राज्य की कानून-व्यवस्था से नाराज लोग एक नई तरह की जागृति के साथ सड़कों पर उतर रहे हैं।

भारतीय न्याय प्रणाली: अब राष्ट्रीय न्यायिक सेवा के गठन का वक्त प्रतिभाशाली न्यायाधीशों को मिलेंगे बेहतर अवसर

जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में लंबित मुकदमों के बोझ पर चिंता जाहिर की गई और प्रधान न्यायाधीश ने जजों की राष्ट्रीय स्तर पर भर्ती प्रक्रिया की पैरवी की। अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन से प्रतिभावान न्यायाधीशों को ऐसा विकल्प उपलब्ध होगा, जो इस संस्था की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयां दे सकता है।लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या पर एक बार फिर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। बीते एक सितंबर को संपनन जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ तथा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक स्वर में शीघ्र और सुलभ न्याय सुनिश्चित करने पर बल दिया। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने न्यायिक सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भर्ती प्रक्रिया की पैरवी करते हुए कहा कि अब समय आ गया है, जब क्षेत्रवाद और राज्य केंद्रित चयन की संकीर्ण सीमाओं से आगे बढ़ा जाए। पहले भी अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए सुझाव आते रहे हैं। विधि आयोग वर्ष 1958 और वर्ष 1978 में दो अलग-अलग संस्तुतियों के माध्यम से इसके लिए सुझाव दे चुका है। आयोग का मत था कि इससे अदालतों में लंबित मुकदमों के समयबद्ध निस्तारण में आसानी होगी, न्यायिक-संरचना अधिक पारदर्शी तथा क्रमबद्ध हो जाएगी और उसके परिणामस्वरूप मुकदमों का तेजी से निपटारा होगा और आम लोगों का उन पर भरोसा बढ़ेगा। संसद की 'लोक शिकायत, कानून तथा न्याय की स्थायी समिति' ने भी वर्ष 2006 में इस विषय पर सुझाव दिया था। इसके अलावा, इस समिति ने एक मसौदा भी तैयार किया था, किंतु वह आगे नहीं बढ़ पाया। सवीच्च न्यायालय ने भी कई मौके पर इस संबंध में सुझाव और निर्देश दिया था। सबसे पहले वर्ष 1992 में 'ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन बनाम भारत संघ' में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया था। उसके बाद फिर वर्ष 1993 में इस पर जरूरी पहल करने की जिम्मेदारी सरकार के विवेक पर छोड़ दी गई। फिर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय का स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायाधीशों के चयन के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था के निर्माण करने का सुझाव दिया, किंतु अब तक इस पर कोई ठोस पहल नहीं की जा सकी है। लोकशाही में उसके सभी उपांगों की विश्वसनीयता उनकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अदालतों के मामले में तो यह अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह उनकी एकमात्र पूंजी होती है। जनता के बीच उनकी साख और आम लोगों के मन में उसके प्रति सम्मान ही उसकी ताकत की गंगोत्री होती है। इसलिए उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सजग रहने की जरूरत होती है। मुकदमों का अंबार, उनके निस्तारण में देरी तथा पारदर्शिता से जुड़ी अपेक्षाएं न्यायपालिका की साख को सबसे अधिक प्रभावित कर रही हैं। पारदर्शिता के प्रति आग्रही समाज में गैर-जरूरी गोपनीयता कई बार अविश्वास के काल्पनिक कारणों तथा आधारों को तैयार करने की पृष्ठभूमि बनाता है। कॉलेजियम व्यवस्था की गोपनीयता के कारण अब उन पर भी प्रशन उठने लगे हैं। उच्च न्यायालय और सवीच्च न्यायालय के कुछ वर्तमान न्यायाधीशों ने भी उस पर सवाल उठाए हैं। ये सभी तथ्य ऐसे हैं, जो अखिल भारतीय न्यायिक सेवाओं के पक्ष में पर्याप्त आधार तैयार करते हैं। न्यायपालिका के अखिल भारतीय सेवा के पक्ष में यह कहा जा रहा है कि यह पूरे देश के लिए एक ऐसी पारदर्शी चयन प्रक्रिया होगी, जिसमें प्रतिभाशाली युवाओं को मौका मिलेगा। इसमें समाज के सभी वर्गों तथा महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। चूंकि यह चयन राष्ट्रीय स्तर पर होगा, इसलिए इसमें सबसे अच्छे लोगों के चयन की एक परंपरा विकसित होगी। मुकदमों की बढ़ती संख्या का एक कारण यह भी है कि हमारे यहां न्यायाधीशों की बहुत कमी है। अमेरिका में जहां हर 10 लाख आबादी पर 107 न्यायाधीश हैं, वहीं हमारे यहां इतनी आबादी पर मात्र 21 न्यायाधीशों के पद ही सृजित हैं। अलग-अलग राज्यों में उनके चयन की प्रक्रिया में अक्सर देरी होती रहती है, जिसके कारण कुल 25,246 स्वीकृत पदों के सापेक्ष केवल 19,858 न्यायाधीश ही कार्य कर रहे हैं। नेशनल कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार, मुकदमों के दायर होने की वर्तमान दर के मुताबिक 2040 में कुल 15 करोड़ मुकदमे लंबित होंगे, जिनके निस्तारण के लिए 75,000 न्यायाधीशों की जरूरत होगी। विभिनन राज्य सरकारों की मौजूदा कार्य पद्धति को देखते हुए यह संभव नहीं लगता। अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन से इस चुनौती से निपटना आसान हो जाएगा, संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के बारे में कहा गया है कि इसके द्वारा चयनित व्यक्ति जिला न्यायाधीशों के समकक्ष होगा। यह पद जब केंद्रीय स्तर पर भरा जाएगा, तो केंद्र सरकार से जरूरी पदों के सृजन और उनकी चयन-प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दबाव बनाना आसान होगा। जिस तरह से अन्य भारतीय सेवाओं के लिए आबादी के अनुपात में पदों का सृजन होता है, उसी तरह यहां पर भी यह काम आसान हो जाएगा और आबादी तथा मुकदमों के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या हो जाने से मुकदमों का बोझ कम होगा। इस समय न्यायपालिका में चयन के लिए दो पद्धतियां हैं। जिला अदालतों के लिए लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के माध्यम से चयन होता है। उच्च न्यायालयों के 25 प्रतिशत पद इन न्यायिक अधिकारियों की प्रोनन्ति से, जबकि शेष पद अधिवक्तागण में से कॉलेजियम द्वारा भरे जाते हैं। जिला अदालतों के लिए लिखित परीक्षा के माध्यम से न्यायिक सेवा में आने वाले न्यायाधीशों के उच्च न्यायालय तक पहुंचने की संभावना बहुत कम होती है। सुप्रीम कोर्ट तक उनके पहुंचने की तो कल्पना करना भी कठिन है। इन परिस्थितियों में उनके मन में वंचना-बोध पैदा होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि प्रतिभाशाली छात्रों का रुझान इस सेवा की ओर कम होता जा रहा है। अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन के बाद उच्च न्यायालय और उसके बाद सवीच्च न्यायालय के लिए प्रतिभावान न्यायाधीशों का ऐसा विकल्प उपलब्ध होगा, जो इस संस्था की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयां दे सकता है।

भारत में सर्पदंश का कहर और सांपों से जूझती ग्रामीण आबादी

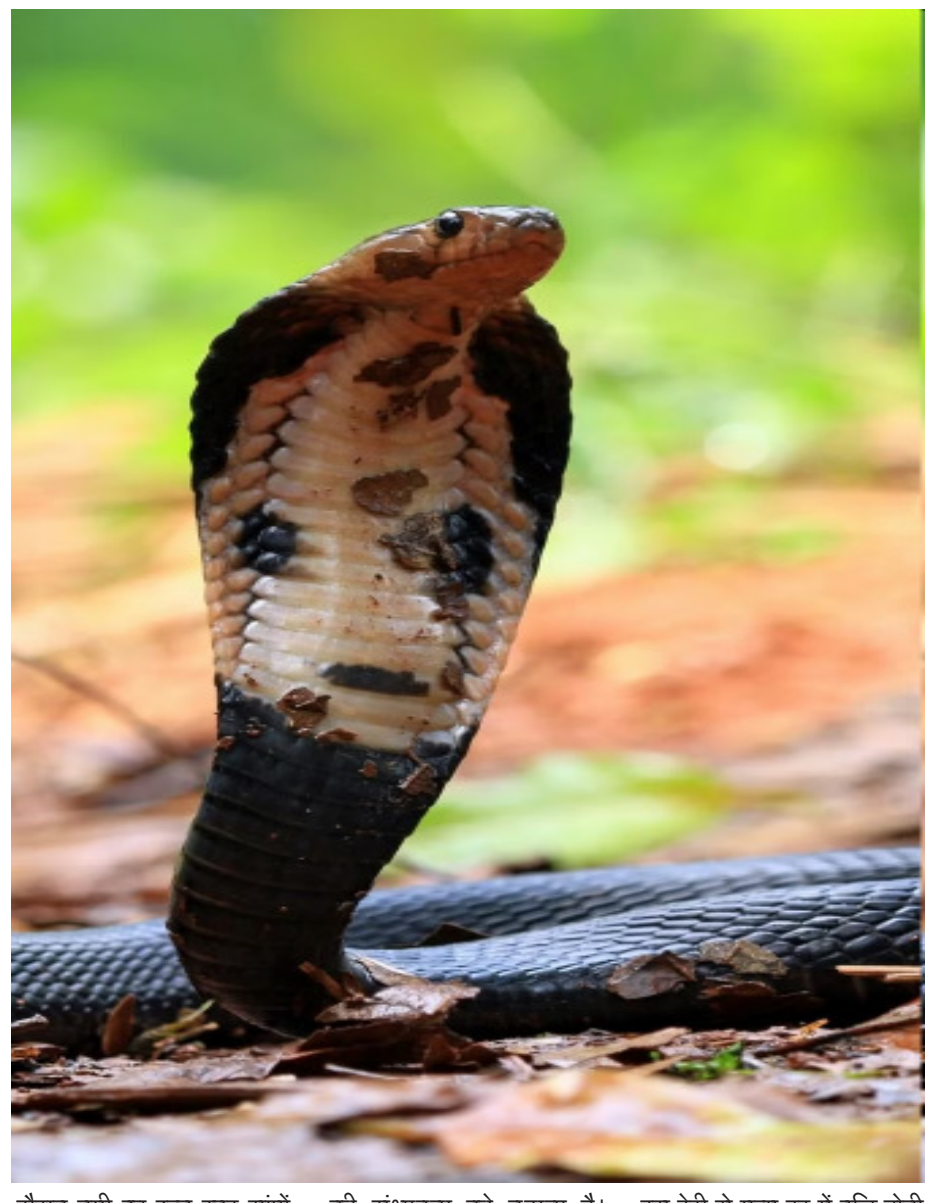

केंद्रीय स्वास्थ्य जांच ब्यूरो की रिपोर्ट (2016-2020) के अनुसार, भारत में सर्पदंश के मामलों की औसत वार्षिक आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) लगभग 3 लाख है और लगभग 2000 मौतें सर्पदंश के कारण होती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की वास्तविक संख्या किसी के पास नहीं है, सांप को देखते ही शरीर में सिंहरन दौड़ पड़ती है। मनुष्य की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया से समझा जा सकता है कि आखिर झाड़ियों, घास में और बिल में दुबका हुआ सांप कितना खतरनाक होता है। बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम है और यही समय सर्पदंश के लिए सर्वाधिक जोखिमपूर्ण है। दरअसल, सांप के काटने की घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में घटती हैं। इससे आम किसान या कृषि श्रमिक और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को अक्सर वयस्कों की तुलना में अधिक गंभीर प्रभाव झेलना पड़ता है, क्योंकि उनका शरीर का वजन छोटा होता है। जहरीले सांपों के काटने से कुछ ही समय में मौत से लेकर लकवा, सांस लेने में दिक्कत, रक्तस्राव संबंधी विकार से घातक रक्तस्राव, अपरिवर्तनीय किडनी फेल्यौर, ऊतक क्षति से स्थायी विकलांगता और अंग विच्छेदन हो सकता है।यह समस्या मुख्य रूप से विकासशील देशों की और खास कर कृषि प्रधान ग्रामीण और वनवासी जनजातियों की है। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी डालती है। लेकिन इस समस्या को किसी भी स्तर पर मानव वन्यजीव संघर्ष की अन्य घटनाओं की तरह गंभीरता से नहीं लिया जाता है। संभवतः इसीलिये विश्व स्वास्थ्य विश्व की आधा सर्पदंश मौतें होती हैं भारत में विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार दुनियाभर में हर साल 50.40 लाख लोग सांपों द्वारा काटे जाते हैं और 81,410 से लेकर 1,37,880 तक लोग सर्पदंश से मर जाते हैं तथा लाखों लोग विकलांगता और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। भारत का यह आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। हालांकि सर्पदंश पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरों के आंकड़ों में भारी अंतर है। फिर भी सरकार द्वारा गत् 12 मार्च 2024 को भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की शुरुआत के समय जारी विवरण के अनुसार भारत में हर साल लगभग 3-4 मिलियन सर्पदंशों में से लगभग 50,000 मौतें होती हैं, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी सर्पदंश मौतों का आधा हिस्सा है। इधर, विभिनन देशों में सर्पदंश के शिकार लोगों का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही क्लीनिकों और अस्पतालों में रिपोर्ट करता है और सर्पदंश के वास्तविक बोझ की रिपोर्ट बहुत कम की जाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य जांच ब्यूरो की रिपोर्ट (2016-2020) के अनुसार, भारत में सर्पदंश के मामलों की औसत वार्षिक आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) लगभग 3 लाख है और लगभग 2000 मौतें सर्पदंश के कारण होती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की वास्तविक संख्या किसी के पास नहीं है, क्योंकि ले घटनाएं अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों और वन बस्तियों में होती हैं और लोग सांप के काटने पर झाड़ फूंक और घरेलू इलाज पर समय बरबाद कर देते हैं। समय पर सही उपचार न मिलने पर सर्प दंशित व्यक्ति जान गंवा बैठता है। पुलिस और अस्पताल तक मामले न जाने के कारण उनकी रिपोर्टिंग नहीं हो पाती। मॉनसून का सीजन सर्वाधिक जोखिमपूर्ण भारत में मॉनसून का मौसम, जो आमतौर पर जून से सितंबर तक चलता है, सांप के काटने के लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील अवधि होती है। मॉनसून में भारी बारिश होती हैं। भारी बारिश से सांपों के आवास नष्ट होते हैं और उनके बिलों में पानी भरता है। इससे सांप भोजन और आश्रय की तलाश में मनुष्यों के रहने वाले क्षेत्रों में चले जाते हैं। मॉनसून का मौसम कृषि गतिविधियों के लिए भी सबसे अच्छा समय होता है। खेतों में काम करने वाले किसान और मजदूर अनजाने में उन सांपों के संपर्क में आ सकते हैं जो ऊंची घास या मलबे के नीचे शरण लिए हुए होते हैं। माना जाता है कि मॉनसून के दौरान नमी का उच्च स्तर सांपों को अधिक सक्रिय बना सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गर्म, गीली परिस्थितियों में शिकार की उपलब्धता बढ़ सकती है, जिससे सांपों की अधिक गतिविधि हो जाती है। भारत की जनसख्या बढ़ते जाने के साथ ही अन्य मानव-जीव संघर्ष की तरह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए मानव-सांप संघर्ष भी बढ़ता जा रहा है। मानव निवास विस्तार प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण करता है। लोगों और सांपों के बीच यह बढ़ा हुआ सम्पर्क विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सांप के काटने की संभावना को बढ़ाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से भी सांपों के व्यवहार और वितरण को प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के लिए, गर्म तापमान और बदले हुए वर्षा पैटर्न उन आवासों का विस्तार कर सकते हैं जहां सांप रहते हैं और उनकी गतिविधि बढ़ सकती है। वनों की कटाई और कृषि विस्तार के कारण वन क्षेत्रों का नुकसान सांपों को भोजन और आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों में पलायन करने के लिए मजबूर कर रहा है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर चिकित्सा सहायता और एंटीवेनम तक पहुंच सीमित होने के कारण उपचार में इस देरी से मृत्यु दर में वृद्धि होती है।इस गंभीर समस्या को देखते हुए भारत सरकार ने सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की है जिसका विजन और मिशन सांप के काटने से होने वाली मौतों और विकलांगता के मामलों की संख्या को 2030 तक आधा करने के लिए इसे रोकना और नियंत्रित करना है। लेकिन इस जानलेवा समस्या का असली निदान सावधानी और प्रकृति के साथ जीने की कला सीखना ही है। यही नहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि सांप मूलतः हमारा शत्रु नहीं है। वह बिना छेड़े हमला नहीं करता। कुछ मायनों में वह किसान का शत्रु नहीं मित्र ही है। अगर सांप न हो तो चूहे फसल बरबाद कर देंगे। वाइल्ड लाइफ एसओएस के अनुसार भारत में भारत में सांपों की 11 परिवारों की लगभग 300 प्रजातियां पाई जाती है जिनमें जिनमें से 60 से अधिक विषैले, 40. हल्के रूप से विषैले और लगभग 180 जहर रहित प्रजातियां हैं। इनमें कोबरा, रसैल और वापर जैसे प्रजातियां बेहद खतरनाक जहरधारी होती है। जबकि जहर रहित सेकड़ों प्रजाति के सांप अकारण ही मारे जाते है।सांप अन्य खूंखार जीवों की तरह हमला नहीं करता है इसलिए सावधानी में ही बचने का सुरक्षित उपाय है। सांप आमतौर पर छिपे हुए होते हैं, इसलिए जहां भी आप जाते है, खासकर घास, झाड़ियों, और ढीली चट्टानों के आसपास वहां सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे क्षेत्रों में जाते समय लंबी पैंट और मजबूत जूते पहनने चाहिए इससे आपकी त्वचा को सांपों के काटने से बचाया जा सकता है। सांप आमतौर पर रात में सक्रिय होते हैं। रात में बाहर निकलते समय विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। किसानों को ध्यान रखना चाहिए कि जब वे भारी घास या लकड़ी का सामान ढोकर ले जा रहे हों तो पहले यह सुनिश्चित करें कि वहां अंदर सांप तो नहीं है। लोगों को स्थानीय सांपों की प्रजातियों के बारे में जानना और उन्हें पहचानना चाहिए ताकि आप संकट की स्थिति में मेडिकल हेल्प के लिए जल्दी निणय ले सकें।इसी तरह बिना वजह झाड़ियों या घास में नहीं घुसना चाहिए। यदि आप को सांप देखाई दे तो उसे उत्तेजित न करें और न ही उस पर हमला करें। सांप केवल आत्मरक्षा के लिए काटते हैं। यदि सांप ने काट लिया है, तो खुद से इलाज करने की कोशिश न करें, जैसे कि घाव को काटना या चूसना। यह स्थिति को और खराब कर सकता है। खास बात यह भी कि सांप के काटने के लिए कोई घरेलू उपाय या दवा का प्रयोग न करें।

द जूकीपर्स वाइफ नाजीकाल का मानवीय चेहरा

डॉ. लुज हेक पशु प्रजनन के शोध के लिए वार्सा में स्थाई ऑफिस बनाता है। डॉ. लुज हेक क्रूर है, खुद चिड़ियाघर के पक्षी का शिकार करता है, उनमें भूस भरवाने का आदेश देता है।पूरा वार्सा नाजी क्रूरता का शिकार बनता है। लूट-पाट, हत्या, लोगों को उठाकर ले जाना आम घटनाएं बन जाती हैं। यहूदियों के लिए पीला डेविड का स्टार बांह पर लगाना अनिवार्य है। यहूदी घरों के भीतर भी सुरक्षित नहीं हैं। जाबिन्स्की के दो मित्र दूसरों के लिए इन पति-पतने से बचाव की गुहार लगाते हैं। जान बचाने के लिए वे माग्दा को अपनी परछत्ती में छुपाते हैं, लेकिन यहीं उनकी दया-ममता रुकती नहीं है। जाबिन्स्की दम्पति लुज हेक के समक्ष एक प्रस्ताव रखते हैं, वे सूअर पालन करेंगे जो अधिकृत करने वाली सेना के भोजन के काम आएंगे। प्रस्ताव स्वीकृत हो जाता है, वार्सा का नामी-गिरामी चिड़ियाघर सूअर बाड़े में बदल जाता है। जाबिन्स्की दम्पति ने यह सोच-समझ कर एक रणनीति के तहत किया था। सूअरों का खाना इकट्ठा करने के बहाने घेटो में जाकर संग में छिपा कर यहूदियों को ले आते हैं। ये यहूदियों को भेष बदलवा कर सीमा पार करा देते हैं, कुछ को नागरिकता दिलवा देते हैं। अब उनका घर और चिड़ियाखाना दो तरह के जीव पाल रहा है। पशु के रूप में सूअर, जो खुल कर घूम-फिर सकते हैं, दूसरे, मनुष्य जो न तो जोर से बोल सकते हैं, न खांस-छींक सकते हैं। यदि कोई आवाज हुई तो सबकी जान खतरे में पड़ जाएगी। अंटोनिया इसे 'ह्यूमन जू' की संज्ञा देती है। दड़बों में छिपे हुए लोगों में नाजी बलात्कार की शिकार एक बच्ची उर्सुला भी है। यह मानव विडम्बना है, एक ओर ये लोग अपनी जान की कीमत पर लोगों की जान बचाने में लगे हुए हैं, दूसरी ओर नाजी लोगों को गाड़ियों में भर-भर कर मृत्यु शिविर पहुंचा रहे है।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES
- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)
- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)
- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

तेलुगू अभिनेत्री शिवानी शर्मा अब बॉलीवुड में भी कदम रखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। जानी मानी एक्टर शिवानी शर्मा जिन्होंने तेलुगु साउथ इंडस्ट्री के लिए बहुत काम किया है। अब उन्होंने अपना काम बॉलीवुड में जमा दिया इस समय शिवानी अपनी हिंदी तथा पंजाबी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी हाल में ही मुंबई में शूटिंग के दौरान उनका एक फोटो वायरल हुआ है इस शूटिंग में बड़े-बड़े बॉलीवुड के कलाकार इनके साथ काम कर रहे हैं। कुछ ही दिन पहले शिवानी ने ब्लैक पर्ल द्वारा राष्ट्रीय गौरव के विषय पर समर्पित एक डिजाइनर शो में भी भाग लिया इसमें भी शिवानी को दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

सफाई कर्मियों की पिटाई से क्षुब्ध बाल्मीकि नेता ने की प्रेसवार्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा रविंद्र प्रधान वाल्मीकी भाजपा का एक छोटा सा कार्यकर्ता आपका भाई आज इस विडिओ संदेश के माध्यम से अपने आपको दलित समाज का सबसे बडा हितेषी समझने वाले नगिना से सांसद चंद्रशेखर आजाद को और उनके गुंडो से एक बात कहना चाहता हु कि जो गौतमबुद्ध नगर के 4 सफाई कामगारो को 400 - 500 गुंडो ने मिलकर चंद्रशेखर आजाद के ईशारे पर बेरहमी से पिटवाकर आपने आपको मर्द समझने की भुल ना करे। ये कायराना हरकत करके कोई भी बाल्मीकियों को डराने वाला अभी तक इस दुनिया मै पैदा नहीं हुआ है। 70 साल से आरक्षण का फायदा लेने वाले आज जब हमारी बारी आई तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश भी मानने से इंकार कर रहे है और आपने गुंडो की संख्या और ताकत दिखा कर वाल्मीकी समाज को डराने की कोशिश कर रहे है। इसका मतलब तुम्हे वाल्मीकी समाज का इतिहास

पत्ता नहीं है... मेरे कायर भाई ये वो समाज है जिसका मुघल साम्राज्य भी कुछ उखाड नही सका.. तो तुम्ह और तुम्हारे गुंडे क्या बिघाड लेंगे... सुन लो कान खोल कर वाल्मीकी और वंचित दलित समाज के विरोधीयो आरक्षण तो हम लेकर हि रहैगे क्यु की हमे डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी के संविधान पर पुरा विश्वास है और उसी संविधान के आधार पर आज जब देश के सुप्रीम कोर्टने जो फैसला करोडो वंचित दलित समाज के हित मै दिया तो एक सुर मै देश के सारे बडे दलित नेता आज विरोध करने उतर गये जब की जब देश मै सफाई कर्मचारियो का रोजगार ठेकेदारी पर कर दिया तब भी देश का एक भी दलित नेता आज तक कभी मुंह खोला है?कही विरोध किया है? नहीं... और आज जब सुप्रीम कोर्ट से हमै न्याय की उम्मीद जागी है तो तुम लोक हमे सपोर्ट करने के बजाय विरोध करते है। हमारे लोगोंको मार रहे है... डराने की कोशिश कर रहै है... ये बर्दास्त नहीं करेंगे मैदान मैं उतरकर वाल्मिकी समाज जबाब देगा...और हमे अपना हक देश के प्रधानमंत्री मोदी जी ओर राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलेगा ही। हमे पुरा विश्वास है।

नितेश राणे को पिता ने भड़काऊ बयान पर लगाई फटकार, विपक्ष का दावा- भाजपा कराना चाहती है दंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विपक्ष ने सोमवार को भाजपा विधायक नितेश राणे की तरफ से दिए गए भड़काऊ

भाषणों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भगवा पार्टी राज्य विधानसभा चुनावों से पहले दंगे कराना चाहती है मुंबई कांग्रेस के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पार्टी अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ के नेतृत्व में पुलिस आयुक्त विवेक फनसालकर से मुलाकात की और भड़काऊ बयान देने के लिए कंकावली विधायक और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।वहीं नितेश राणे के पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद नारायण राणे ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को फटकार लगाई है और उसे इस मामले में किसी धर्म को न घसीटने को कहा है। नारायण राणे ने कहा, बल्कि केवल उन लोगों को घसीटने की जरूरत है जो इसके लिए दोषी है। सभी मुसलमान इसके लिए दोषी नहीं हैं, इसलिए पूरे समुदाय को इसमें न घसीटें। मैंने उसे फटकार लगाई है।कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि नितेश राणे और अन्य भाजपा नेताओं की पुलिस सुरक्षा वापस ली जाए। गायकवाड़ ने पत्रकारों से कहा, महाराष्ट्र में भड़काऊ बयान दिए जाते हैं और हर कोई जानता है कि उन्हें (राजनीतिक) संरक्षण प्राप्त है। वे कहते रहते हैं कि हमारे बॉस सागर बंगले में बैठते हैं। उन्होंने कहा, नीतेश राणे और (भाजपा एमएलसी) प्रसाद लाड की तरफ से दिए गए बयान में सागर बंगले और देवेंद्र फडणवीस का संदर्भ है। यह जांच की जानी चाहिए कि उन्हें कोई राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या नहीं।नितेश राणे ने अहमदनगर में सकल हिंदू समाज आंदोलन में हिस्सा लिया था और वहां भाषण दिए थे। उन्होंने कहा कि अगर रामगिरी महाराज को नुकसान पहुंचाया गया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। वायरल वीडियो में नितेश राणे ने एक खास वर्ग को चेतावनी दी है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

लाइगर' की स्क्रिप्ट में कुछ चीजों से थी अनन्या पांडे को आपत्ति बदलाव के लिए उठाई थी आवाज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अनन्या पांडे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक पहचान बनाने में जुटी हुई है। उन्होंने साल 2019 में करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर 2' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। अपने पांच साल के करियर में उन्होंने कुछ ही फिल्में की हैं। आखिरी बार उन्हें साल 2023 में रिलीज हुई 'खो गए हम कहां' में देखा गया था। इस वक्त अभिनेत्री अपनी आगामी सीरीज 'कॉल मी बे' के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस बीच उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में से एक 'लाइगर' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट में कुछ आपत्तिजनक लगा, जिसमें उन्होंने निर्माताओं से बात कर बदलाव भी कराया। सुचारिता त्यागी से बातचीत के दौरान अनन्या पांडे ने बताया कि कैसे नई पीढ़ी के कलाकार के रूप में, अभिनेत्री ने विजय देवरकोंडा अभिनीत 'लाइगर' की स्क्रिप्ट पढ़ते समय उसकी कुछ आपत्तिजनक चीजों की ओर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में कुछ चीजों का ध्यान रखना और उनको संबोधित करना उनकी जिम्मेदारी है। अनन्या ने कहा, ठलाइगर में, उस स्क्रिप्ट में बहुत सी चीजें ऐसी थीं, जहां मैं ऐसा महसूस करती थी कि ये सब कहने के लिए मैं ठीक नहीं हूं। एक महिला के रूप में यह सही नहीं है।ठ अभिनेत्री ने आगे कहा कि निर्माताओं ने वो सारे बदलाव किए भी, जिससे वह काफी खुशी महसूस करती हैं कि उन्होंने तब इसे लेकर अपनी राय जाहिर की थी।कॉल मी बे' अभिनेत्री ने आगे कहा की उनका मानना है एक महिला के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह स्क्रिप्ट में अनुचित चीजों को संबोधित करें और उनके खिलाफ बोलें। अभिनेत्री ने एक युवा और नई पीढ़ी की महिला कलाकार के रूप में सही चीजों के लिए खड़े होने को लेकर भी बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारे देश में महिलाओं की सुरक्षा पर चर्चा करना कितना महत्वपूर्ण है। इस वजह से वह मानती है कि बतौर कलाकार फिल्मों की स्क्रिप्ट में भी कुछ आपत्तिजनक लगे, तो उसे लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई जानी चाहिए। बताते चलें कि अनन्या पांडे ने साल 2022 में फिल्म 'लाइगर' के साथ अपना तेलुगु डेब्यू किया। इस फिल्म में वह साउथ के मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। विजय ने फिल्म में ने पिता और पुत्र की दोहरी भूमिकाएं निभाई थीं। अनन्या फिल्म में उनकी प्रेमिका तान्या के रूप में नजर आई थीं। फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें राम्या कृष्णा, रोनित रॉय, चंकी पांडे और मकरंद देशपांडे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन साउथ के दिग्गज निर्देशक पुरी जगननथ ने किया है। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल साबित हुई थी। अनन्या पांडे वर्तमान में अपनी पहली वेब सीरीज 'कॉल मी बे' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर इस साल 6 सितंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा। इस सीरीज का निर्माण धर्मेटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी नजर आने वाले हैं। इसकी रिलीज के बाद, अनन्या 'सीटीआरएल' और 'शंकरा' जैसी आगामी प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली है।

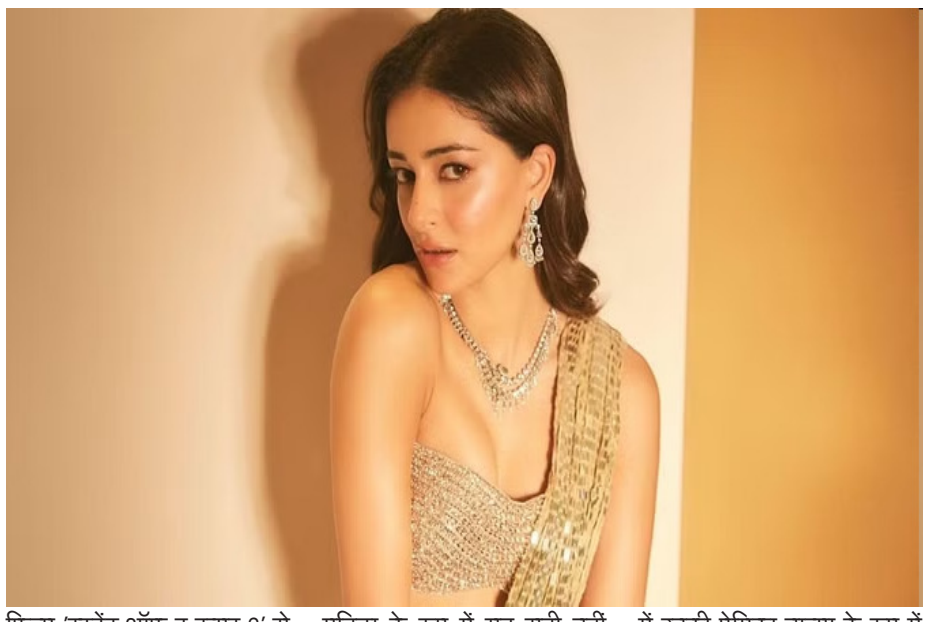

मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है 'आईसी814', प्रतिबंध लगाने के लिए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आईसी-814 द कंधार हाईजैक वेब सीरीज रिलीज के बाद से लगातार सुखिर्यों में है। इस शो पर प्रतिबंध लगाने की मांग पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर हो रही है। वहीं, अब यह मामला हाई कोर्ट तक पहुंच गया है। इस सीरीज पर रोक लगाने के लिए हाल ही में एक जनहित याचिका दायर की गई है। वेब सीरीज आईसी-814 रिलीज के बाद से विवादों में घिर गई है। दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार (3 सितंबर) को एक जनहित याचिका दायर कर इस शो पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि वेब सीरीज में अपहरणकर्ताओं की वास्तविक पहचान के बारे में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने किया गया है। इस याचिका के मुताबिक वेब सीरीज वास्तविक अपहर्ताओं के 'भोला' और 'शंकर' जैसे नाम दिखाए गए हैं, जिससे हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची है। यह याचिका हिंदू सेना के अध्यक्ष और किसान सुरजीत सिंह यादव की ओर से दायर की गई है। इसमें में केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का प्रमाण पत्र रद्द करने और सीरीज के पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका के मुताबिक वेब सीरीज में अपहर्ताओं की वास्तविक पहचान के बारे में महत्वपूर्ण तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने से न केवल ऐतिहासिक घटनाओं का गलत चित्रण हुआ है, बल्कि गलत सूचना भी फैली है। वहीं, केंद्र सरकार भी इस वेब सीरीज को लेकर गंभीर नजर आ रही है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के कंटेंट प्रमुख को मंगलवार को तलब किया है। बताया जा रहा है कि उनसे सीरीज के कथित विवादास्पद पहलुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी यह सीरीज 29 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें विजय वर्मा, नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, मनोज पाहवा, अरविंद स्वामी जैसे कलाकार नजर आए है।

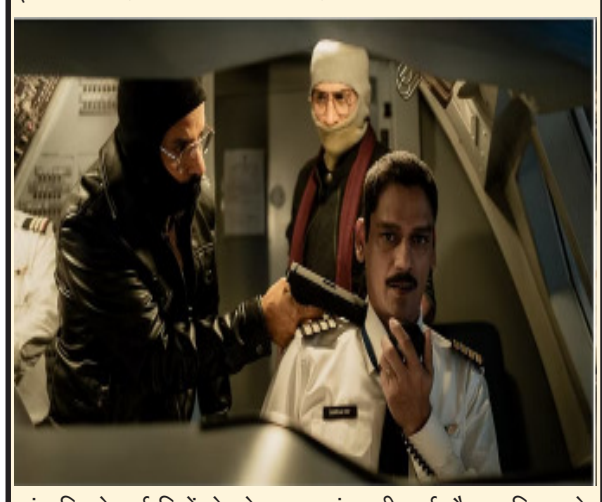

धोखे को रिश्ते के लिए बड़ा खतरा मानती हैं शरवरी वाघ, लव लाइफ को लेकर कही ये बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इस साल काफी धमाल मचाया है। वह इस साल अब तक 'मुंजा', 'महाराज' और 'वेदा' में नजर आ चुकी हैं। हॉरर कॉमेडी 'मुंजा' की सफलता ने उन्हें इस वक्त नवोदित और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों की पंक्ति में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। अभिनेत्री इस वक्त आलिया भट्ट के साथ वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की एक्शन-थ्रिलर 'अल्फा' के लिए तैयारी कर रही हैं। फिल्मों के अलावा वह अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। बीते कुछ समय से अभिनेत्री के सनी कौशल को डेट करने की अफवाहें काफी जोर पकड़ रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने रिलेशनशिप को लेकर एक खास बात कही है। शरवरी तमाम अफवाहों के बाद भी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चुप ही रहती हैं। हाल में ही उन्होंने रिलेशनशिप में जरूरी चीजों के बारे में बात करते हुए कहा कि किसी भी रिश्ते में धोखा देना एक ऐसा कारक है, जिसके बाद फिर किसी भी तरह की बातचीत नहीं की जा सकती। फिल्मफेयर के साथ एक नए इंटरव्यू के दौरान, शरवरी वाघ से उनके रिश्ते को लेकर ऐसी बातों के बारे में पूछा गया, जिन्हें वो कभी नजरअंदाज नहीं कर सकती। इस पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि धोखा एक ऐसी चीज है, जिसे वह रिश्तों में एक बड़ा खतरा के तौर पर देखती है। अभिनेत्री ने इस दौरान कहा कि वह इन सब चीजों को लेकर पहले से तय करने में विश्वास नहीं करती कि क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आदर और सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है, फिर चाहे वे डेटिंग कर रहे हों या नहीं। अभिनेत्री ने कहा, ठमुझे लगता है कि धोखा देना किसी रिश्ते में एक बड़ा खतरा होगा,क्योंकि यह मेरे लिए अनादर से जुड़ा है। अगर मैं कभी डेटिंग करती हूं, तो धोखा देना मेरे लिए एक ऐसी चीज है, जो निश्चित रूप से एक मुद्दा होगी।इस दौरान अभिनेत्री से जब उनकी डेटिंग लाइफ के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उनके पास चर्चा करने के लिए कोई प्रेम कहानी नहीं है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने जीवन में दो पुरुषों को डेट किया है, जिन्हें उन्होंने मजेदार लड़के कहा है। शरवरी ने इसमें जोड़ते हुए कहा कि उन्हें रिलेशनशिप में होने के कारण वो आकर्षक लगे। 'अल्फा' अभिनेत्री ने आगे कहा कि उनके लिए लव लाइफ में हंसी-मजाक एक महत्वपूर्ण कारक है। सनी कौशल के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों के बावजूद अभिनेत्री ने खुद को सिंगल बताया है। बताते चलें कि शरवरी वाघ ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2020 में सनी कौशल के साथ सीरीज 'द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी के लिए' से की थी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू साल 2021 में 'बंटी और बबली 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने इस साल मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी 'मुंजा', आमिर खान के बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म 'महाराज' और जॉन अब्राहम के साथ 'वेदा' में नजर आई है। इन तीनों फिल्मों में उनके अभिनय के लिए उन्हें सराहना मिली है। इस वक्त वह आलिया भट्ट के साथ 'अल्फा' की शूटिंग कर रही हैं।

700 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं शक्ति कपूर, खलनायकी और कॉमेडी से जीता दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अपना जन्मदिन मना रहे शक्ति कपूर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से दशकों से दर्शकों का लगातार मनोरंजन किया है। उन्होंने हिंदी सिनेमा में एक से बढ़कर एक बेहतरीन और यादगार किरदार दिए हैं। 'राजा बाबू' में उनका 'नंदू' का किरदार या फिर 'अंदाज अपना अपना' में 'क्राइम मास्टर गोगो', शक्ति अपनी कॉमेडी से दर्शकों के दिल पर अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रहे। हालांकि, पर्दे पर वह अपनी खलनायकी के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं। करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने कई फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया। शक्ति कपूर से मशहूर अभिनेता का असली नाम 'सुनील सिकंदरलाल कपूर' है। दिग्गज कलाकार और फिल्म निर्माता सुनील दत्त को एक विलेन के तौर पर यह नाम ज्यादा पसंद नहीं आया। इस वजह से उन्होंने पर्दे पर उन्हें शक्ति कपूर का नाम दिया। शक्ति एक मध्यम वर्गीय पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता की एक टेलर शॉप थी और उनकी मां एक हाउसवाइफ थी। शक्ति अपने परिवार में दूसरे सबसे बड़े हैं। उनकी एक बहन है और दो भाई है, जिनका नाम रेनू, रम्मी और परवीन है। शक्ति कपूर ने अपने फिल्मी करियर में 700 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हिंदी, असमिया, उडि़या, बंगाली, पंजाबी आदि भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। 80 और 90 के दशक की फिल्मों में शक्ति कपूर विलेन और कॉमेडियन का किरदार निभा कर दर्शकों के बीच काफी लोकप्रियता हासिल की। शक्ति कपूर को संजय दत्त की पहली फिल्म 'रॉकी' में बतौर खलनायक पहली बार देखा गया था। इस फिल्म को संजय दत्त के पिता सुनील दत्त ने निर्देशित किया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार एक के बाद एक कई सुपरहिट फिल्में दीं। पर्दे पर विलेने की भूमिका से प्रसिद्धि पाने वाले अभिनेता ने प्रेम विवाह किया है। उन्होंने शिवांगी कोल्हापुरी से शादी की है, जो मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी की छोटी बहन है। दोनों ने साल 1982 में शादी की थी। दोनों की मुलाकात मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म किस्मत के सेट पर हुई थी, जिसके बाद दोनों ने जल्द ही डेटिंग शुरू कर दी थी। एक इंटरव्यू में शक्ति कपूर ने बताया था कि विलेन की इमेज के कारण शिवांगी के परिवार वालों ने इस शादी पर आपत्ति जताई थी। उनके परिवार की आपत्ति के बाद दोनों ने भाग कर शादी करने का फैसला किया था। शक्ति और शिवांगी के दो बच्चे हैं, श्रद्धा कपूर और सिद्धांत कपूर।

डेब्यू फिल्म से ही विवेक ओबेरॉय ने बना लिया था दबदबा, इतनी संपत्ति के हैं मालिक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विवेक ओबेरॉय बॉलीवुड के सबसे ज्यादा चर्चित नामों में से एक हैं। अभिनेता ने साल 2002 में फिल्म 'कंपनी' से डेब्यू किया। करियर के शुरुआती दौर में ही उन्होंने 'रोड', 'युवा' और 'दम' जैसी फिल्में की। इन फिल्मों के बाद उन्हें अगला स्टार माना जाने लगा था, लेकिन विवेक पिछले 10 सालों से बॉलीवुड के मेनस्ट्रीम से दूर हैं। विवेक आज अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर हम उनके जीवन की कुछ महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं विवेक ऑबेरॉय का जन्म 3 सितम्बर 1976 को एक भारतीय परिवार में हुआ था। विवेक ने अपनी शुरुआती पढ़ाई हैदराबाद पब्लिक स्कूल हैदराबाद से की है। उसके बाद वह अपनी आगे की पढ़ाई के लिए मेयो अजमेर चले गये। अभिनेता अभिनय की बारीकियां सीखने के लिए न्यूयॉर्क भी गए थे। राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'कंपनी' से डेब्यू कर उन्होंने फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार अपने नाम किया । बता दें कि विवेक ओबेरॉय हिंदी फिल्मों के दिग्गज अभिनेता सुरेश ओबेरॉय के बेटे हैं। अभिनेता हमेशा से अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहे हैं। कहा जाता है कि विवेक अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही ऐश्वर्या राय बच्चन से इश्क कर बैठे थे। उस समय ऐश्वर्या और सलमान खान का रिश्ता भी किसी से छिपा नहीं था। कहा जाता है कि सलमान खान और ऐश्वर्या के ब्रेकअप के बाद विवेक ओबरॉय और ऐश्वर्या के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी थी। हालांकि, ये बात सलमान खान को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई थी। विवेक ओबेरॉय के करियर खराब करने का आरोप भी सलमान खान पर लगता है। कहा जाता है कि ऐश्वर्या से बढ़ती नजदीकियां देख सलमान ने उस समय विवेक को फोन किया था और ऐश्वर्या से दूर रहने की सलाह दी थी। विवेक ने गुस्से में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सलमान और अपनी बात को सार्वजनिक कर दिया था। आगे चलकर यह दांव विवेक पर उल्टा पड़ गया और इंडस्ट्री के लोगों ने उनसे मुंह मोड़ लिया। विवेक ने 'ग्रैंड मस्ती', 'क्रिश 3', 'रक्त चरित्र', 'ओमकारा', 'युवा', 'मस्ती', 'साथिया', 'काल', 'पीएम नरेंद्र मोदी', जैसी फिल्में की हैं। अभिनेता अक्सर साउथ की फिल्मों में भी देखे जाते हैं। वह अभिनय के अलावा बिजनेस भी करते हैं। बताया जाता है कि विवेक के पिता ने उन्हें 10 साल की उम्र में ही बिजनेस चलाने की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। विवेक अपने फिल्मी करियर को भी पटरी पर लाने की कोशिश में रहते हैं, हालांकि, अभी यह पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाया है।

भूल भुलैया 3' के सेट पर साथ दिखे कार्तिक आर्यन-विद्या बालन, फिल्म के लिए किया पोस्टर शूट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता कार्तिक आर्यन और विद्या बालन को हाल ही में 'भूल भुलैया 3' के पोस्टर शूट के लिए सेट पर देखा गया। दोनों को साथ देख प्रशंसकों का उत्साह बढ़ गया है। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसके साथ ही प्रशंसकों को भी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर देगी। अभिनेता कार्तिक आर्यन और विद्या बालन को हाल ही में 'भूल भुलैया 3' के पोस्टर शूट के लिए सेट पर देखा गया, जिससे इस बात की उम्मीद बढ़ गई है कि यह दिवाली पर रिलीज होने वाली एक बड़ी फिल्म होगी। इस दौरान कार्तिक आर्यन अपने सिगन्चेर 'भूल भुलैया' लुक में नजर आए, जो पिछली फिल्म के उनके किरदार रूह बाबा की याद दिलाता है, वहीं विद्या बालन काले रंग की साड़ी पहने नजर आईं। विद्या ने पहली 'भूल भुलैया' फिल्म में अवनी उर्फ मंजुलिका का किरदार निभाया था। विद्या दूसरी फिल्म का हिस्सा नहीं थीं और उनकी जगह तब्बू ने मंजुलिका की भूमिका निभाई थी। कार्तिक आर्यन और विद्या बालन को एक साथ देखकर प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है, जो फिल्म के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कार्तिक भूत भगाने वाले रूह बाबा की भूमिका निभाएंगे। अनीस ने फ्रेंचाइजी के दूसरे भाग का भी निर्देशन किया था। भूल भुलैया 2 एक ब्लॉकबस्टर थी, जिसने दुनिया भर में लगभग 300 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं अब फिल्म की तीसरी किस्त के लिए बहुत उम्मीदें हैं। कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार हैं। इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे हैं। इस फिल्म में विद्या बालन अपनी मंजुलिका की भूमिका को दोहराएंगी। भूल भुलैया 3 इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सत्या से लेकर शूटआउट एट लोखंडवाला तक, गैंगस्टर पर आधारित फिल्मों को दर्शकों ने किया खूब पसंद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजकुमार राव के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है। हाल ही में रिलीज हुई स्त्री 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो चुकी है। इस फिल्म में हंसाने के बाद वह जल्द ही एक्शन करते नजर आने वाले है। हाल ही में उनकी फिल्म मालिक का पोस्टर जारी किया गया, जिसमें वह जीप पर खडे होकर हाथ में एके 47 लिए नजर आए थे। राजकुमार का गैंगस्टर अवतार देखकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो चुके है। ऐसे में आज हम आपको बॉलीवुड की उन गैंगस्टर फिल्मों के बारे में बताने जा रहे है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। राम गोपाल वर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म सत्या में मनोज बाजपेयी और जेडी चक्रवर्ती मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म गैंगस्टर के निजी जिंदगियों की कहानी बयां करती है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा। साल 1998 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।